RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 15 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 88 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फ्रांस के निवेशकों को भारत की विकास यात्रा से जुड़ने का न्योता: मोदी

देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारियां करते हैं लेकिन कुछ संबंध केवल साझा हितों तक सीमित नहीं होते: पीएम

नीस/एजेंसी

भारत और फ्रांस के बीच मनाए जा रहे 'नवाचार वर्ष' (इयर ऑफ इनोवेशन) के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस आयोजन से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक स्तर के प्रमुख निवेशकों और वेंचर कैपिटल (जोखिम पूंजी) प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की और भारत में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट कर इस कार्यक्रम और मुलाकातों की जानकारी साझा की। उन्होंने राष्ट्रपति मैक्रों का आभार जताते हुए लिखा कि 'मेरे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों, नीस में आपसे दोबारा मिलकर बेहद खुशी हुई। 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ क्योंकि हमारे दोनों देश मिलकर 'नवाचार वर्ष' मना रहे हैं।' एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने निवेशकों के साथ हुई बैठक को बेहद समृद्ध और दूरदर्शी बताया। उन्होंने लिखा कि 'भारत इनोवेट्स 2026' में हुई चचाएं काफी ज्ञानवर्धक रहीं। इस दौरान निवेशकों और वेंचर कैपिटल लीडर्स के साथ नवाचार, प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी), विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और उभरते क्षेत्रों में भारत द्वारा पेश किए जा रहे असीमित अवसरों पर बातचीत हुई। प्रधानमंत्री ने भारत को निवेश का सबसे आकर्षक केंद्र बताते हुए लिखा कि 'भारत की विकास यात्रा देश की प्रतिभा, बड़े पैमाने (स्केल), स्थिरता और निरंतर हो रहे सुधारों (रिफॉर्म्स) से संचालित है। यही खूबियां भारत को वैश्विक निवेश और नवाचार के लिए एक पसंदीदा और आकर्षक गंतव्य

'भारत-फ्रांस का रिश्ता भरोसे, साझा सोच और साझा लक्ष्यों पर आधारित'

भारत-फ्रांस का रिश्ता खासः प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता सिर्फ व्यापार या रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है। यह भरोसे, साझा सोच और साझा लक्ष्यों पर आधारित है। दोनों देश मिलकर दुनिया की कई बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में काम कर रहे हैं।

'भारत इनोवेट्स' युवाओं के लिए बड़ा मंचः मोदी ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय निवेश को जोड़ने वाला मंच है। स्टार्टअप्स, युवा उद्यमियों और नए आइडिया को दुनिया के बड़े निवेशकों और विशेषज्ञों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

भारत स्टार्टअप्स का बड़ा केंद्रः प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में 100 से ज्यादा स्टार्टअप्स शामिल हैं, लेकिन भारत में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। ये स्टार्टअप्स भारत के साथ-साथ दुनिया की अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास में भी योगदान दे रहे हैं।

नई तकनीकें बदलेंगी भविष्य: पीएम

मोदी ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों से गुजर रही है, लेकिन हर चुनौती नए मौके भी लेकर आती है।

एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष तकनीक जैसी नई तकनीकें आने वाले समय में दुनिया का भविष्य तय करेंगी।

युवा दे रहे हैं समस्याओं का समाधानः प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में स्टार्टअप क्रांति चल रही है। देश के युवा नई सोच के साथ लोगों की समस्याओं का हल निकाल रहे हैं।

मैक्रों बोले- दुनिया भारत के साथ इनोवेशन करना चाहती है भारत ग्लोबल इनोवेशन का नेतृत्व कर रहाः मैक्रों ने कहा कि भारत रिसर्च, इनोवेशन और तकनीकी विकास के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

'भारत इनोवेट्स' युवाओं के लिए बड़ा मंच

नई दिल्ली। फ्रांस के नीस शहर में आयोजित 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी को साझा दृष्टि, नवाचार और प्रेरणा पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि यह मंच भारत की प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच सेतु का कार्य करेगा तथा भारतीय नवाचारों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने प्रमुख निवेशकों और वेंचर कैपिटल प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारियां करते हैं लेकिन कुछ संबंध केवल साझा हितों तक सीमित नहीं होते। उन्होंने भारत और फ्रांस के संबंधों को ऐसे ही रिश्ते का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह साझा दृष्टि और आपसी विश्वास पर आधारित है। इस संबंध में जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य और साझा दृष्टिकोण सभी शामिल हैं।

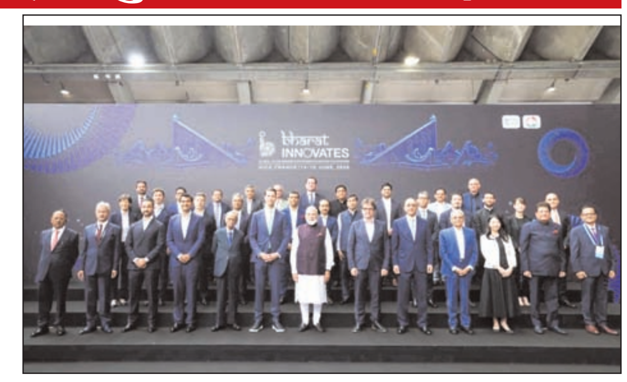

'भारत समाधान प्रदान करने वाले देश के रूप में उभर रहा'

इसी आधार पर दोनों देशों ने हाल के वर्षों में कई नई पहलों की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मंच भारत की प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच पुल का काम कर रहा है। इसके माध्यम से भारतीय युवाओं को यूरोपीय विशेषज्ञता से जुड़ने और अपने विचारों को आगे बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का भारत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और देश में स्टार्टअप क्रांति देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा नया दृष्टिकोण लेकर मानवता की समस्याओं के समाधान खोज रहा है। 'भारत इनोवेट्स' ऐसे ही विश्वस्तरीय समाधानों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज भारत केवल समाधान का उपभोक्ता नहीं है बल्कि समाधान प्रदान करने वाले देश के रूप में उभर रहा है। देश प्रौद्योगिकी प्रदाता की भूमिका में आगे बढ़ रहा है।

आयुष्मान भारत और जन औषधि योजना से करोड़ों लोगों को मिला लाभ: पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और उपचार को अधिक किफायती बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए संदेश में कहा कि आयुष्मान भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम बन चुका है। यह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक राहत मिली है।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारी को बैठक सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज

श्रृंगवेरपुर। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद गंगा पार प्रयागराज के पदाधिकारियो की उपस्थिति में शिव दरबार शनिदेव धाम सिद्ध पीठ शनि देव मंदिर शिवरतन का पुरवा बिजलीपुर प्रयागराज में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद स्थापना दिवस की उपलक्ष्य में कार्यक्रम उत्सव के रूप में स्थापना दिवस के रूप में मनाने हेतु और रूपरेखा तैयार करने हेतु चर्चा बैठक पदाधिकारी की उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय मंत्री काशी क्षेत्र संजय द्विवेदी ने किया उन्होंने 24 जून 2026 को स्थापना दिवस को वृहद रूप से मनाने के लिए पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को निर्देशित किया तत्पश्चा पी अन्य कार्यक्रमों में शामिल है प्रतापगढ़ अयोध्या की ओर प्रस्थान किया वहीं पर संजय तिवारी जिला अध्यक्ष गंगा पार प्रयागराज ने सभी पदाधिकारी जनों से अपील किया की 24 जून 2026 को अपने-अपने क्षेत्र में स्थापना दिवस का कार्यक्रम हनुमान चालीसा पाठ सुंदरकांड पाठ

शरबत वितरण कार्यक्रम बाइक रैली जुलूस निकालकर बृहद रूप से मनाया जाए वहीं पर सभी पदाधिकारी कार्यकताओं से यह भी अपील किया कि एक मुट्ठी अनाज योजना को भी मजबूत बनाया जाए और इसमें सभी कार्यकताएं स्थापना दिवस को भव्य बनाने के लिए अपना अपना सहयोग राशि भी प्रदान करने की अपील किया है इस अवसर पर शत्रुघ्न शुक्ला जी राजमणि कौड़िहार ब्लाक अध्यक्ष रोहित मिश्रा ब्लॉक उपाध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला कोषाध्यक्ष अजय मिश्रा महामंत्री विमलेश तिवारी ग्राम अध्यक्ष हरिनारायण तिवारी ग्राम अध्यक्ष कुलदीप मिश्रा हनुमान चालीसा प्रमुख अमन सुमितउनके साथ भारी संख्या में कार्यकर्ता बंधु मौजूद रहे सभी पदाधिकारी कार्यकताओं द्वारा कार्यक्रम पश्चात बृहद रूप से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया तब पश्चात महाप्रसाद वितरण करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया स्थानीय लोगों से कार्यकताओं से पदाधिकारी जनों से 24 जून 2026 स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाने के लिए पुरजोर प्रयास करने के लिए अपील किया गया है ।

वहीं पर शिव दरबार शनिदेव धाम प्रयागराज पर 24 जून 2026 को हनुमान चालीसा पाठ सुंदरकांड पाठ सरवत वितरण का कार्यक्रम हुईबाइक रैली निकल जाए ऐसी जानकारी जिला अध्यक्ष गंगा पार प्रयागराज संजय तिवारी ने दिया है और सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी स्थानीय लोगों से शामिल होने की अपील भी किया है ।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना थरियांव पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त संदीप पुत्र कुन्नर उर्फ रामकुमार नि0 ग्राम करनपुर मजरे रामपुर थरियांव थाना थरियांव जनपद फतेहपुर उम्र करीब 27 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

प्रारंभिक परीक्षा (पीजीटी) शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न

डीएम एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। उ0प्र0 लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवक्ता राजकीय इण्टर कॉलेज प्रारंभिक परीक्षा (पीजीटी) को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा मुस्लिम इंटर कॉलेज एवं राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी फतेहपुर एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर द्वारा परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सघन चेकिंग, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली तथा परीक्षा कक्षों की निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया गया। साथ ही ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

परीक्षा को नकलविहीन, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है तथा संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया गया कि परीक्षा की शुचिता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

जनपद प्रशासन एवं पुलिस विभाग, प्रवक्ता राजकीय इण्टर कॉलेज प्रारंभिक परीक्षा (पीजीटी) को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

एसपी द्वारा प्रवक्ता पुरुष/महिला (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 के अवसर पर परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । रविवार को लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा केंद्रों पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता एवं निष्पक्षता के साथ ड्यूटी संपादित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में परीक्षा जनपद में सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई गई।

गरीबों और जरूरतमंदों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है- जिलाध्यक्ष

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी (ब्यूरो चीफ)। केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा के तत्वावधान में एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। खंड विकास अधिकारी कार्यालय कड़ा के सभागार में आयोजित शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने फीता काटकर किया।शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार मौजूद रहे।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा के अधीक्षक डॉ. मोहम्मद सऊद ने भाजपा जिला अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत व

अभिनंदन किया।इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।ऐसे शिविरों से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को घर के पास ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं मिल जाती हैं।शिविर में जांच और उपचार के लिए डॉक्टरों की विशेष टीम तैनात रही जिसमें चिकित्सा अधिकारी डॉ. हाशिम खान और डॉ. अविरल अग्रवाल समेत सीएचसी कड़ा के तमाम स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में आए मरीजों का निःशुल्क परीक्षण कर उन्हें दवाइयां भी वितरित की गईं।इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष कड़ा प्रदीप कुमार पटेल, और भाजपा जिला उपाध्यक्ष कमलेश निषाद, खंड विकास अधिकारी कड़ा दिनेश चंद्र, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी प्रभाकर सिंह चंदेल, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक प्रदीप सिंह, बीसीपीएम रोहिणी त्रिपाठी समेत स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ भारी संख्या में भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

तीन वांछित एक वारंटी समेत चार गिरफ्तार

सबसे तेज

पश्चिम शरीरा पुलिस ने एक वारण्टी पकड़े

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 वारण्टी अभियुक्त इन्द्रसेन पुत्र स्व0 बरमदीन निवासी ग्राम पुनवार थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी । थाना मंझनपुर पर सूचना प्राप्त हुयी कि ग्राम टेवां में दो पक्षों में जमीन के कब्जेदारी को लेकर विवाद हो गया है तथा दोनो पक्षों द्वारा एक दूसरे को जान से मारने की नीयत से लाठी डण्डो व धारदार हथियार से हमला कर दिये है । इस सूचना पर तत्काल थाना मंझनपुर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया गया एवं घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया ।

प्रयागराज

कौशांबी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में गस्त/चेकिंग की जा रही थी । इसी दौरान मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर 2 अभियुक्तों रवि उर्फ श्रवण कुमार पुत्र रामभवन . धर्मपाल पुत्र स्व0 बादल निवासीगण ग्राम चक नेवानीपर थाना खागा जनपद फतेहपुर को गोलवा बाग तिराहा पर पीपल वृक्ष के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से देशी तमंचा 12 बोर, 02 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर बरामद किया गया ।

कप्तान ने मोहब्बतपुर पइंसा थाने का किया निरीक्षण मचा हड़कंप

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । देर रात्रि में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना मोहब्बतपुर पइंसा का आकस्मिक निरीक्षण कर थाना व्यवस्था एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों की सतर्कता का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार, बैरक एवं थाना परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, लंबित प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण तथा थाना परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।

साथ ही पुलिस कर्मियों को अनुशासन एवं तत्परता के साथ ड्यूटी निर्वहन करने, जनसुनवाई में संवेदनशीलता बरतने तथा फरियादियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने बीट पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने, अपराध एवं अपराधियों पर सतत निगरानी रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

ग्रेट निकोबार को बचाने के लिए कांग्रेसियों ने चरवा में चलाया हस्ताक्षर अभियान

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी(ब्यूरो चीफ)। चायल विधानसभा अन्तर्गत नगर पंचायत चरवा में ग्रेट निकोबार बचाने के लिए कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के आवाहन व जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने उपस्थित लोगों को बताया कि हमारे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार मेगा प्रोजेक्ट को "विनाश को विकास का नाम" देने वाला करार दिया उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कॉर्पोरेट मुनाफे (गौतम अडानी) के लिए इसे रक्षा परियोजना बताकर गुमराह कर रही है और इसके बजाय नौसेना की मांग के अनुसार ?क्ठर इं९ का विस्तार करने की बात कही। ग्रेट निकोबार को बचाने के लिए राहुल गांधी द्वारा

दिए गए मुख्य तर्क और उठाए गए कदम इस प्रकार हैं: पर्यावरण को भारी नुकसानः उन्होंने चेतावनी दी कि इस परियोजना के लिए लगभग डेढ़ करोड़ (1.5 करोड़) पेड़ काटे जाएंगे, प्राचीन प्रवाल भित्तियाँ (कोरल रीफ्स) मिटाई जाएंगी और 161 वर्ग किलोमीटर के प्राचीन वर्षावनों (रेनफॉरेस्ट) को नष्ट कर दिया जाएगा! वर्तमान भाजपा सरकार अब प्रकृति के साथ भी खिलवाड़ कर रही है और ढोंग करती है कि वह पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए हर साल कई लाख पेड़ लगाती है यह सब झूठ है.! भाजपा सरकार अपने उद्योगपति साथियों को लाभ देने के लिए पर्यावरण से भी खिलवाड़ कर रही है। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय बाबू जी,उदय यादव,राम सूरत रैदास,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,श्याम सिंह भदौरिया जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल, हेमन्त रावत, नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी, सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,बिफई लाल, इंद्रपाल रैदास,अवधेश कुमार,संदीप कुमार,छोटे लाल,रामदास राही,सुनील कुमार,सुरेश कुमार,पंचम रैदास,पंकज कुमार,काजल देवी,सुरेंद्र कुमार,कमलेश कुमार,पुनी लाल,अमृत लाल,सरोज देवी हिमांशु रैदास,आरती देवी,बबली देवी मानसिंह ,सुषमा देवी,राकेश पाल,गुलजारी केसरवानी,अनिल केशरवानी, प्रियांशू त्रिपाठी,कल्लू,प्रदीप गौतम,श्याम लाल पाल ,बड़का रैदास, बुद्दनी सरोज,आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

विश्व रक्तदाता दिवसः पुलिस अधीक्षक ने रक्तदान शिविर का फीताकाट कर किया शुभारंभ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, कौशाम्बी में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक महादान है, जिससे जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

एसपी द्वारा रक्तदान करने वाले व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही उपस्थित लोगों को नियमित रक्तदान करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने के संबंध में जागरूक किया गया।

इस दौरान में चिकित्साधिकारीगण उपस्थित रहे।

कप्तान ने एक दिवसीय योग शिविर का किया शुभारंभ

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। रविवार को पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन फतेहपुर में आयोजित एक दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा योगाभ्यास कर योग के महत्व एवं दैनिक जीवन में इसके सकारात्मक प्रभावों के संबंध में उपस्थित

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया गया।

योग शिविर में उपस्थित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया गया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर योगाचार्य को उनके योगदान हेतु स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एनसीजेडसीसी में नाद चिकित्सा में सीखा उपचार

ध्वनि की उपचार शक्ति से तनावमुक्त जीवन का संदेश

सबसे तेज प्रयागराज

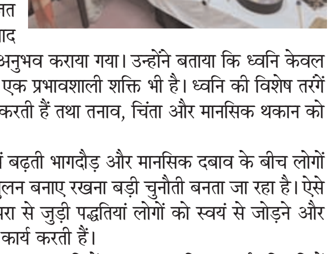

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा रविवार को केंद्र परिसर में नाद चिकित्सा (साउंड हीलिंग) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, प्रो. हरि दत्त शर्मा तथा नाद चिकित्सा विशेषज्ञ कविता मालवीय ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कविता मालवीय के मार्गदर्शन में आयोजित इस सत्र में लगभग 30 प्रतिभागियों को नाद चिकित्सा के माध्यम से साउंड थेरेपी का अनुभव कराया गया। उन्होंने बताया कि ध्वनि केवल सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि उपचार की एक प्रभावशाली शक्ति भी है। ध्वनि की विशेष तरंगें मन और शरीर को गहरे स्तर पर प्रभावित करती हैं तथा तनाव, चिंता और मानसिक थकान को कम करने में सहायक होती हैं।

उन्होंने बताया कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ती भागदौड़ और मानसिक दबाव के बीच लोगों के लिए मानसिक शांति और आंतरिक संतुलन बनाए रखना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे समय में नाद चिकित्सा जैसी भारतीय परंपरा से जुड़ी पद्धतियां लोगों को स्वयं से जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कराने का कार्य करती हैं।

सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न उपचारात्मक ध्वनियों का अनुभव किया। कई प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि साउंड थेरेपी के पश्चात उन्हें मानसिक शांति, तनाव में कमी और शरीर में हल्केपन का अनुभव हुआ। प्रतिभागियों ने इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

इस अवसर पर केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा में जीवन को संतुलित और स्वस्थ बनाने के अनेक उपाय निहित हैं। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ जनकल्याण से जुड़े विषयों को भी आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना बकेबर पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट थाना औंग जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त इन्द्रपाल पुत्र रामस्वरूप कंजड निवासी बिजौली थाना बकेवर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 52 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

चौपाल लगाकर प्रभारी मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की फरियाद, निस्तारण का दिया निर्देश

हनुमान प्रसाद शुक्ल

फतेहपुर । रविवार को ग्राम पंचायत गम्हरी, थाना गाजीपुर, जनपद फतेहपुर में प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ०प्र० सरकार अजीत पाल सिंह की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी, विधायक अयाहशाह, भाजपा जिला अध्यक्ष, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ। सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा तथा स्थानीय पुलिस द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

रक्तदान ऐसा महादान है, जिससे किसी जरुरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है- अभिमन्यु

विश्व रक्तदाता दिवस पर पुलिस लाइन अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन एसपी ने किया शुभारंभ

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रविवार को जनपद फतेहपुर पुलिस द्वारा पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने स्वैच्छिक रक्तदान को मानवता की सेवा का सर्वोच्च उदाहरण बताते हुए कहा कि रक्तदान ऐसा महादान है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर रक्तदान करना चाहिए तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

रक्तदान शिविर में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक

सहभागिता करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके इस सराहनीय एवं मानवीय योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

उन्होंने कहा कि फतेहपुर पुलिस कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए भी प्रतिबद्ध है। ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान के महत्व को समझते हुए अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान हेतु प्रेरित करने का संकल्प भी लिया।

"रक्तदान – जीवनदान" के संदेश के साथ आयोजित यह शिविर समाज के प्रति पुलिस की संवेदनशीलता एवं जनसेवा की भावना का प्रतीक रहा।

भगवतपुर में आयोजित जनकल्याण स्वास्थ्य मेला पहुंचे स्वतंत्रदेव सिंह

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। जिले के प्रभारी व राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को विकास खण्ड भगवतपुर स्थित ग्राम पंचायत कादिलपुर के बीबीएस इण्टर कालेज में आयोजित ह्यजनकल्याण स्वास्थ्य मेलाह्न कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। प्रभारी मंत्री द्वारा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, जिला पूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, स्वयं सहायता समूहों, ओडीओपी, कृषि विभाग, समाज कल्याण सहित अन्य विभागों के द्वारा लगाये गये स्टॉलों का भ्रमण कर अवलोकन करते हुए सम्बंधित विभाग की योजनाओं, कार्यों की जानकारी लेते हुए उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के बारे में लोगो को अधिक से अधिक जानकारी देते हुए योजनाओं से लाभान्वित कराये जाने के लिए कहा है। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ने आवास योजना के लाभार्थियों को चाभी वितरण, वृद्धा पेंशन योजना के लाभार्थियों, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के अन्तर्गत 10 महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। रिवाल्विंग फंड के 3 लाभार्थियों-सीमा पाल, नीतू भारतीया व अनीता देवी को 93 लाख 30 हजार का डेमो चेक भी प्रदान किया। उन्होंने सामुदायिक निवेश निधि के तीन लाभार्थियों-माधुरी पाल, शकुंतला एवं शन्नो गुप्ता को सामूदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) को 4 करोड़ 51 लाख 50 हजार रुपए का डेमो चेक प्रदान किया। उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने चरैवेति चरैवेति के सिद्धांत पर लगातार कार्य करते हुए देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। सरकार गरीबों के लिए समर्पित है। आधारभूत

संरचनाओं का तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे है। लखपति दीदियां बन रही है, गरीबों को निःशुल्क राशन, पक्का मकान, गैस कनेक्शन, शौचालय, निःशुल्क इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना के तहत बालिकाओं की शिक्षा, नारी शक्ति वंदन योजना जैसी योजनाएं संचालित है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्रों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। उन्होंने लोगो से जल संचय करने, बच्चों को शिक्षित करने तथा देश के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कहा है।श्री सिंह ने कहा कि आज से 12 वर्ष पूर्व देश में डिजिटल क्रांति आई, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा तथा देश के सुरक्षा के लिए लिए जीरो टोलरेंस के नीति अपनाई गई। पिछले 12 वर्ष में देश की सभी मूल समस्याओं का समाधान किया गया। इस 12 वर्ष में गरीब के सम्मान तथा किसान, महिला तथा युवा के आत्मविश्वास की नई कहानी लिखी गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का एक ही संकल्प है कि देश का कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न हो। पोषण अभियान के तहत 3 महिलाओं की गोदभराई तथा 2 बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल ने कहा कि 12 वर्ष में केन्द्र सरकार द्वारा कराये गये कार्यों एवं उपलब्धियों को हम सब देख रहे है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में निरंतर विकास के कार्य किए जा रहे है तथा देश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। सड़कों का निर्माण एवं चौड़ीकरण का कार्य व्यापक स्तर पर किया गया है, चारों तरफ सड़कों का जाल बिछा है।

महिलाओं के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए सरकार के द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की गयी है, जिनसे महिलाएं स्वावलम्बी हो रही है। सांसद ने कहा कि गरीबों को बिजली, स्वास्थ्य, मकान, राशन सहित अन्य योजनाओं से बिना भेदभाव के लाभान्वित कराया जा रहा है। इस अवसर पर महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी एवं महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने भी विचार रखे।

इस अवसर पर विधायक शहर उत्तर, हर्ष वर्धन वाजपेयी, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद व अन्य जनप्रतिनिधिगणों के साथ जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ मास की त्रयोदशी को रूद्र सेना प्रयाग ने किया शरबत वितरण

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज । रूद्र सेना प्रयाग के तत्वावधान मे भयंकर गर्मी को देखते हुए क्षेत्र के सक्रिय सामाजिक संगठन रूद्र सेना प्रयाग के सदस्यों द्वारा कौड़िहार बाजार मे लखनऊ रोड पर राहगीरों को शरबत पिलाया गया वेदों व पुराणों मे भी यह वर्णन भी है कि जेठ माह मे प्यासे को जल पिलाना विशेष फलदायी होता है जिसे ध्यान मे रखते हुए यह शरबत वितरण कार्यक्रम किया गया जिसमे बुजुर्गों माताओं बहनों नौजवानों किसानों सहित सभी राहगीरों को शरबत पिलाया गया बुजुर्गों व माताओं ने सभी सदस्यों को आशीर्वाद दिया और नौजवानों व राहगीरों ने रूद्र सेना प्रयाग के इस कार्य की सराहना की रूद्र सेना प्रयाग द्वारा समाज को नई दिशा देने के लिए समय समय पर ऐसे कार्य किए जाते हैं कार्यक्रम का आयोजन संगठन के संचालक सुनील तिवारी रूद्र द्वारा किया गया शरबत वितरण कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से बच्चे मिश्र कुलदीप शुक्ल आलोक तिवारी संजू तिवारी आनंद पाण्डेय ऋषिकेश पाण्डेय मोहित शुक्ल सुंदरम मिश्र संजीव केसरवानी , शुभम शुक्ला श्रीकान्त उपाध्याय प्रेमचन्द साहू बसंत लाल उपाध्याय अंजनी उपाध्याय आकाश दुबे, सत्यम गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक उदयभान व शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन का कौड़िहार मे हुआ गाजे बाजे के साथ भव्य स्वागत

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज । रविवार को भगौतीपुर में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के मुख्य अतिथि उदयभान करवरिया एवं विशिष्ट अतिथि शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेई का कौड़िहार चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के आयोजक सुनील तिवारी रूद्र ने

उदयभान करवरिया का माल्यार्पण कर अंगवस्त्रम व रामदरबार भेंट किया और विधायक हर्षवर्धन बाजपेई का माल्यार्पण करते हुए जय श्रीराम का उद्घोष किया गया।

स्वागत कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से भाजपा मण्डल अध्यक्ष कुलदीप शुक्ल, आलोक तिवारी, पंकज द्विवेदी, पवन शुक्ल, धर्मेंद्र मिश्र, मोहित शुक्ल, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, संजू तिवारी, आनंद पाण्डेय, ऋषिकेश पाण्डेय, मोहित शुक्ल, शुभम शुक्ल, सागर मिश्र, धनवन्तरि गोस्वामी, अरूण तिवारी, गोलू दुबे सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहें।

स्वतंत्रदेव सिंह ने प्रबुद्धजनों के साथ किया संवाद

शहरवासियों के साथ साझा किए सुझाव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिले के प्रभारी व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सर्किट हाउस सभागार में प्रबुद्धजनों के साथ संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने जनपद में कराये गये कार्यों के बारे में पॉवर प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों के द्वारा कहा गया कि जनपद प्रयागराज में सभी क्षेत्रों में तेजी के साथ विकास हुआ है। इस अवसर पर प्रबुद्धजनों द्वारा जनपद के विकास के लिए आवश्यक अन्य कार्यों के बारे में सुझाव भी दिए गए। सुरेश गुप्ता ने जल संचयन के बारे में सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि जल संचयन के लिए गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए। बरसात के पानी के संचय के लिए वाटर हार्वेस्टिंग का व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने पार्कों में भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से बरसात के पानी को बहने के बजाय जमीन के अंदर संचय के उपाय किए जाने के बारे में सुझाव दिए। प्रभारी मंत्री ने बताया कि जल संचयन के लिए व्यापक स्तर पर कार्यक्रम चलाये जा रहे है। उन्होंने बैठक में मकान के ऊपर छत पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था किए जाने पर जोर दिया। मंत्री जी ने कहा कि नदियों को पुनर्जीवित किए जाने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सरोवरों का जीर्णोद्धार भी किया जा रहा है। इसके तहत अमृत सरोवरों का निर्माण कराया गया है। इस अवसर पर सेवा निवृत्त आईएएस आरएस वर्मा द्वारा प्रयागराज में एम्स की स्थापना के बारे में सुझाव दिए गए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड, गरीबों के इलाज में बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। प्रबुद्धजनों द्वारा जनपद के चौराहों पर रेड लाइट के समय धूप से बचाव हेतु लगाए गए ग्रीन नेट एवं विभिन्न स्थानों पर स्थापित कराये गये ओपेन जिम की सराहना की गयी। मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि सरकार के द्वारा गरीबों के कल्याण एवं उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गयी है। संवाद कार्यक्रम में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार जनपद की नीतियों व संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की उपलब्धियों, सेवा, संस्कार सुशासन एवं सम्मान तथा आमजन के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।उन्होंने कहा कि 12 वर्षों का शासनकाल देश के नवनिर्माण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, वैश्विक गौरव और अंत्योदय को समर्पित रहा है, देश ने आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाए है। इस अवसर पर सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधायक शहर उत्तर हर्ष वर्धन वाजपेयी, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला व अन्य जनप्रतिनिधिगणों के साथ जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी व अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी व बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कामयाबी: सराय ममरेज पुलिस के हत्थे चढ़ी वांछित महिला अभियुक्त, चोरी के जेवरात बरामद

ऑटो व बसों में अकेली महिलाओं के बैग से गहनों की कर लेती थी चोरी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सराय ममरेज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक वांछित महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के कीमती जेवरात बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के एक मामले की विवेचना के दौरान महिला अभियुक्त मदीना उर्फ रीता पत्नी इस्लाम हुलिया निवासिनी आनन्द डीह थाना दुगागंज जनपद भदोही की तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित महिला को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी का सामान बरामद हुआ, जिसमें 01 अंगूठी (पीली धातु), 01 हार (पीली धातु), 01 सोने की चेन (पीली धातु), 01 मांग टीका (पीली धातु), 01 पायल (सफेद धातु), 01 हाथ मेहन्दी (सफेद धातु), 02 कमर पेटी (सफेद धातु), 01 पायजेब (सफेद धातु), 01 चोंटी फूल (सफेद धातु) तथा 01 बिछिया (सफेद धातु) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार उक्त महिला अभियुक्ता द्वारा गत 12 जून को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत जंघई तिराहे पास आटों से जा रही वादिनी मुकदमा के बैग का चेन खोलकर उसमें रखा आभूषण चोरी कर लिया गया था। तथा 13 जून को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत भीटी चौराहे के पास से एक अन्य महिला का बैग में रखे आभूषण चोरी कर लेने के सम्बन्ध में क्रमशः सराय ममरेज एवं हंडिया थाने में मुकदमा दर्ज हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त हंडिया ने बताया कि पूछताछ करने पर महिला अभियुक्त ने बताया कि अक्सर ऑटो व बसों में सफर कर रही अकेली महिलाओं के पास बैठकर धीरे से उनके बैग आदि की चैन खोलकर उसमें से गहने चोरी कर लिया जाता था एवं उन्हे राह चलते लोगों को बेच दिया जाता था। अभियुक्ता से पूछताछ के आधार पर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप है, वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में

थानाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, चौकी प्रभारी शरद सिंह, उपनिरीक्षक विभा सिंह समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

संदिग्ध परिस्थितियों में दफनाया गया शव कब्र से बाहर निकाला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सबसे तेज प्रयागराज

लालापुर, प्रयागराज। थाना क्षेत्र के छताहरा गांव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां सड़क हादसे में मृत माने गए एक युवक के शव को दफनाने के कई दिनों बाद मजिस्ट्रेट के आदेश पर दोबारा निकाला गया। परिजनों द्वारा हत्या की आशंका जताए जाने के बाद पुलिस और प्रशासन ने यह कदम उठाया है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।जानकारी के अनुसार, छताहरा गांव निवासी अभिषेक उर्फ लाला बीती 15 मई को दोपहर करीब 3 बजे अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से जा रहा था। लालापुर भटपुरा नहर पुलिया के पास बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। आनंद-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद स्तब्ध परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई या पोस्टमार्टम के, शव को बरहुला यमुना घाट पर ले जाकर दफन कर दिया था। अंतिम संस्कार के कुछ दिनों बाद इस मामले में नया मोड़ आ गया। मृतक अभिषेक के परिजनों को घटनाक्रम पर संदेह हुआ। उन्होंने डीसीपी यमुनानगर से मुलाकात कर आशंका जताई कि यह महज एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि सोची-समझी हत्या हो सकती है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और शव का पोस्टमार्टम कराने की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता और परिजनों की मांग को देखते हुए प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया। मजिस्ट्रेट से अनुमति मिलने के बाद, रविवार को भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बरहुला यमुना घाट पर दफनाए गए शव को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। "परिजनों की शिकायत और मजिस्ट्रेट के आदेश पर शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बहरिया पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बहरिया पुलिस टीम ने तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे व निशानदेही पर आभूषण, दो लोहे के इंजन, सिलाई मशीन, 10,500 रूपए नगद व घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में समीर निवासी तुलापुर सिकन्दरा थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उज्जवल साहू उर्फ भोला उर्फ भंटा तेली निवासी सिकन्दरा थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज और राजेश सोनी निवासी ग्राम जेठवारा चौराहा थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ शामिल हैं। इन तीनों को थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा रविवार को बहरिया क्षेत्रान्तर्गत चैमलपुर स्थित प्राइमरी स्कूल के पास से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि समीर और उसका दोस्त उज्जवल साहू उर्फ भोला उर्फ भंटा जिला कारागार जनपद प्रतापगढ़ जेल में बंद थे। वही उनकी दोस्ती जेल में बंद राजेश सोनी निवासी जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ के साथ हुई थी। समीर और उसका दोस्त उज्जवल कुछ दिन पूर्व रात्रि में घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इन तीनों के खिलाफ पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया।

गिरफ्तार करने वाली टीम

थानाध्यक्ष मानवेंद्र प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी सिकंदरा अनुराग शर्मा समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

विश्वास विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे मोदी सरकार के स्वर्णिम 12 वर्ष- धर्मराज मौर्य

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। (ब्यूरो चीफ)विधानसभा सिराथू व मंझनपुर के सांगठनिक मण्डल में सेवा सुशासन जनकल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने पर पार्टी द्वारा चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के निमित्त जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने किया जनसंपर्क व गिनाई सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं।

विधानसभा सिराथू के कड़ा मण्डल के ग्राम पंचायत चकसैनी में व सिराथू मण्डल के नगर पंचायत सिराथू में जनसंपर्क कर गिनाई सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं बताया कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार के अथक प्रयासों का ही

परिणाम है कि आज भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर डिजिटल क्रांति तक कई क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई है।उन्होंने कहा कि आधुनिक सड़क,रेल,हवाई और डिजिटल नेटवर्क के विस्तार ने देश को नई गति और नई ऊर्जा प्रदान की है।

उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक आधारित सेवाओं और डिजिटल नवाचारों ने शासन को अधिक पारदर्शी,प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

याद कीजिए उस दौर को जब देश में चारों ओर भ्रष्टाचार और अविश्वास का एक भयानक वातावरण बना हुआ था तत्कालीन गलत नीतियों के कारण देश के अंदर आंतरिक और बाह्य सुरक्षा पर हमेशा एक बड़ा खतरा मंडराता रहता था पहले देश का अन्नदाता किसान कर्ज के बोझ तले आत्महत्या करने के लिए पूरी तरह मजबूर था और देश के नौजवानों की अद्भुत प्रतिभा का लाभ राष्ट्र के विकास में नहीं मिल पा रहा था ऐसी तमाम उपलब्धियों को गिनाया।

तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

सरायइनायत थाना क्षेत्र का मामला

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। थाना सरायइनायत पुलिस एवं एसओजी/सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए रविवार को तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सरायइनायत थाना पुलिस और एसओजी/सर्विलांस सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल भारतीया पुत्र साहेब

लाल भारतीया निवासी ग्राम सौरहा थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, अर्जुन कुमार उर्फ बादल भारतीया पुत्र राजपति भारतीया निवासी ग्राम गागौर थाना फूलपुर प्रयागराज व शिवम पटेल पुत्र ननकू पटेल निवासी ग्राम गड़ौत थाना फूलपुर प्रयागराज के रूप में पुलिस द्वारा की गई है। और उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिसकी तलाश पुलिस को काफी समय से थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त चोरी एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं। बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में आवश्यक अभिलेखीय जांच की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य मामलों में भी जानकारी जुटाई जा रही है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में एस0ओ0जी0/सर्विलांस सेल प्रभारी गंगानगर उप निरीक्षक सुखचैन तिवारी, थाना सरायइनायत के उप निरीक्षक मनोज यादव, अंकित सिंह व जगदीश के समेत कई मुख्य आरक्षी व आरक्षी शामिल रहे।

दरोगा एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के सफल एवं पारदर्शी आयोजन हेतु एसएसपी ने की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह द्वारा दिनांक 15 जून 2026 से प्रारम्भ होने वाली पुलिस उपनिरीक्षक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत अभिलेखों की संवीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षण (ढरळ) को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत पुलिस लाइन सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विस्तृत समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई।

एसएसपी द्वारा भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की गहन समीक्षा करते हुए अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन,

शारीरिक मानक परीक्षण, सुरक्षा प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधा, चिकित्सा सहायता, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता न बरती जाए।

समीक्षा गोष्ठी के उपरांत महोदय द्वारा डीवी/पीएसटी केन्द्र का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, अभिलेख परीक्षण कक्ष, शारीरिक मानक परीक्षण स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी, अभ्यर्थियों के प्रतीक्षालय, पेयजल, शौचालय एवं चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

प्रभारी मंत्री ने सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग अजीत सिंह पाल की अध्यक्षता में मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी श्रीमती निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण एवं प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मीडिया संवाद के दौरान मंत्री ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार के विगत वर्षों में हुए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सुशासन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला

सशक्तिकरण, किसान कल्याण तथा युवाओं के रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं।

मंत्री ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने तथा औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

संवाद कार्यक्रम के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा जनहित एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे गए, जिनका मंत्री ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है तथा मीडिया लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करता है।

इस अवसर पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी जनपद में संचालित विकास कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

संपादकीय

प्रतिभाशालियों के हौसले तोड़ता रोज-रोज का पेपर लीक

भारत में एक बार फिर प्रतिष्ठित मेडिकल परीक्षा का पेपर लीक हो गया। पेपर लीक एकदम आम सा हो गया है। जितनी सहजता से खामियों को छुपाते हुए परीक्षा रद्द कर दी जाती है, उसके एवज में लाखों बच्चों के मनोमस्तिष्क पर इसका क्या प्रभाव पड़ता होगा, समझने की कोशिश भी नहीं का जाती। यह अफसरशाही नहीं तो क्या है? अबकी बार नीट यूजी 2026 पेपर लीक ने फिर तमाम व्यवस्थाओं और परीक्षा तंत्र पर करारा तमाचा जड़ा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ और जो तौर-तरीके देखने में आ रहे हैं उससे लगता है कि न ही आखिरी बार होगा। सबसे पहले बात 3 मई 2026 को भारत भर में हुई उस परीक्षा की जिसमें 22 लाख से अधिक छात्र देश-समाज के लिए कुछ करने की लालसा लिए नीट यूजी परीक्षा में शामिल हुए। उन्हें उम्मीद थी कि उनका सब कुछ बदल जाएगा। लेकिन सपने चूर-चूर हो गए। महज एक बयान जारी कर नौ दिन बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल कोर्सों में दाखिले खातिर होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा रद्द कर दी। वजह बताई गई कि एजेंसी को 7 मई को एक व्हिसलब्लोअर ने जानकारी दी कि एक 'गेस पेपर' का पीडीएफ व्हाट्सऐप पर सकुर्लेट किया गया था, जिसमें वास्तविक नीट परीक्षा जैसे ही प्रश्न थे। एनटीए के महानिदेशक ने कहा कि परीक्षा में किसी भी तरह का उल्लंघन हमारी जीरो-टॉलरेंस नीति के खिलाफ है और इससे उन 22 लाख छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है जिन्होंने परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की थी। बयान के लब्बोलुआब में नपे-तुले शब्दों से अपनी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जरूर पापड़ बेले गए। लेकिन अब उन लाखों बच्चों का क्या होगा जिन्हें लीक पेपर से कोई वास्ता नहीं था, पेपर अच्छा गया था लेकिन, चयन तय था, लेकिन सपने एक झटके में टूट गए! क्या एनटीए को भान होगा कि बच्चों के कोमल मनोमस्तिष्क पर क्या असर पड़ेगा? जब परीक्षा के पहले ही पीडीएफ बिके, सोशल मीडिया पर वायरल संदेश और सौदेबाजी की बातें हो रहीं थीं तब सारी एजेंसियों के कान में तेल पड़ा था? परीक्षा कोई भी हो, उसकी पवित्रता और निष्पक्षता का ध्यान रखने की गुरुतर जिम्मेदारी उन्हें संचालित करने वालों की होती है।

भारत में कुछ पेपर लीक बहुत ही सुर्खियों, विवादों और चचाओं में रहे हैं। ऐसे कुछ मामले आज भी लोगों को भुलाए नहीं भूलते। इनमें मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) का 2013 का मामला काफी चर्चित है। इसमें नकली परीक्षार्थी (सॉल्वर) दूसरों की जगह परीक्षा में सम्मिलित हुए। लंबी रकम देकर इस तरह नौकरियां में जाने का रास्ता भी बना था लेकिन पकड़े गए। मामले में कई आरोपियों सहित जाँच एजेंसियों के लोगों की संदिग्ध मौतें भी हुईं। तब पूरा मामला तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के लिए भी गले की हड्डी बना। आरोप-प्रत्यारोपों की झड़ी लगी लेकिन सभी आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। एक अन्य मामला कर्मचारी चयन आयोग का सामने आया। जब सुप्रीम कोर्ट ने पूरी भर्ती प्रणाली को दूषित बता दिया। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कम्बाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) 2017 परीक्षा का पेपर परीक्षा शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया पर लीक हो गया। सीबीआई जांच में पता चला कि कुछ परीक्षा केंद्रों के सुपरवाइजर्स ने अभ्यर्थियों को रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए बाहरी मदद दिलवाई थी। 2022 में रेलवे भर्ती विवाद में सवा करोड़ युवाओं का सड़कों पर उबाल दिखा जिन्होंने स्क्रीनिंग टेस्ट पर आपत्ति उठाई। 2024 में यूजीसी नेट की परीक्षा दूसरे ही दिन रद्द कर दी गई जिसमें 9 लाख प्रतिभागियों के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया जो पीएचडी करने और प्रोफेसर बनने का सपना संजोए हुए थे। बहुचर्चित नीट-2024 में 67 छात्रों का 720 अंक ही अर्जित करना सुर्खियों में रहा। इसमें झारखण्ड के एक प्रिन्सपल और वाइस प्रिन्सपल ने पर्चा चुराकर लाखों में बेचा था।

पेट्रोल बचत का ज्ञान, सरकारी गाड़ियों में खानदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

देश में जब भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ती हैं, तब अचानक सरकारों, अधिकारियों और नेताओं को ईंधन बचत की चिंता सताने लगती है। टीवी चैनलों पर संदेश चलने लगते हैं, अखबारों में विज्ञापन छपते हैं और मंचों से जनता को समझाया जाता है कि अनावश्यक वाहन प्रयोग बंद करें, कार पूलिंग अपनाएँ, कम दूरी पैदल तय करें और राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करें। सुनने में यह सब बहुत आदर्शवादी और जिम्मेदार लगता है, लेकिन जैसे ही आम आदमी सड़क पर उतरता है, उसे इस आदर्शवाद का दूसरा चेहरा दिखाई देने लगता है। एक तरफ आम नागरिक पेट्रोल पंप पर हर बढ़े हुए रुपये का हिसाब लगाता है, दूसरी तरफ सरकारी गाड़ियों का काफिला सत्ता के रुतबे की तरह सड़कों पर दौड़ता दिखाई देता है। जनता को बचत का पाठ पढ़ाने वाले वही लोग अक्सर अपने परिवार की छोटी-छोटी निजी जरूरतों के लिए भी सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, पत्नी को बाजार जाना हो, रिश्तेदारों को लाना-ले जाना हो या निजी कार्यक्रम में शामिल होना हो—सरकारी वाहन हर समय सेवा में तैयार रहते हैं। तब जनता के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि आखिर ईंधन बचाने का बोझ केवल आम आदमी के हिस्से में ही क्यों आता है? वास्तव में यह समस्या केवल पेट्रोल या डीजल की नहीं है, बल्कि मानसिकता की है। हमारे यहाँ सत्ता और पद को अक्सर सेवा नहीं, विशेषाधिकार समझ लिया जाता है। जैसे ही कोई व्यक्ति बड़े पद पर पहुँचता है, उसके आसपास सुविधाओं का ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें सरकारी संसाधनों को निजी जीवन का हिस्सा मान लिया जाता है। सरकारी गाड़ी फिर केवल प्रशासनिक कार्य का माध्यम नहीं रहती।

कॉकरोच से क्रांति तक: डिजिटल युग में लोकतांत्रिक असहमति का नया स्वर

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने के तरीके समय के साथ बदलते रहे हैं। कभी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सत्याग्रह और धरने राजनीतिक प्रतिरोध के प्रमुख माध्यम थे, तो कभी साहित्य, रंगमंच और पत्रकारिता ने सत्ता से सवाल पूछने का कार्य किया। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश करते हुए यह परिदृश्य एक बार फिर बदलता दिखाई दे रहा है। आज सोशल मीडिया, मीम्स, व्यंग्य और डिजिटल अभियानों ने राजनीतिक अभिव्यक्ति के नए मंच तैयार कर दिए हैं। युवा पीढ़ी अब केवल सभाओं, रैलियों और ज्ञापनों तक सीमित नहीं है; वह अपने विचारों को इंटरनेट की दुनिया में नए प्रतीकों और नई भाषा के माध्यम से सामने ला रही है। मई 2026 में अचानक चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी इसी बदलते राजनीतिक और सामाजिक यथार्थ का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

पहली दृष्टि में यह एक हास्यास्पद नाम प्रतीत होता है। किसी राजनीतिक दल या आंदोलन का नाम कॉकरोच रखना सामान्य नहीं माना जा सकता। लेकिन राजनीति में प्रतीकों का महत्व हमेशा से रहा है। कई बार जो शब्द अपमान के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं, वही प्रतिरोध और पहचान के प्रतीक बन जाते हैं। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब समाज के किसी वर्ग ने अपने ऊपर लगाए गए नकारात्मक विशेषणों को ही अपनी शक्ति में बदल दिया। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय भी इसी प्रवृत्ति को दशार्ता है। यह केवल एक नाम नहीं, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया है जिसे युवा अपने प्रति उपेक्षापूर्ण मानते हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरूआत एक न्यायिक टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद से हुई। सोशल मीडिया पर यह धारणा तेजी से फैली कि बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की गई है। यद्यपि बाद में इस टिप्पणी के संदर्भ को लेकर स्पष्टीकरण भी सामने आए, लेकिन तब तक स्थिति बदल चुकी थी। युवाओं के एक बड़े वर्ग ने इस शब्द को अपने अपमान के प्रतीक के रूप में ग्रहण किया और फिर उसी को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। यह वही प्रक्रिया है जिसे आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में रीक्लेमिंग द नैरेटिव कहा जाता है—अर्थात जिस शब्द या पहचान का इस्तेमाल आपको कमजोर करने के लिए किया गया हो, उसे अपनी ताकत में बदल देना। सोशल मीडिया के युग में किसी विचार को जनांदोलन का रूप लेने में अब महीनों या वर्षों की आवश्यकता नहीं होती। कुछ घंटे और कुछ वायरल पोस्ट ही पर्याप्त होते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय इसी डिजिटल युग की देन है। पूर्व राजनीतिक सोशल मीडिया कार्यकर्ता अभिजीत दीपके द्वारा इसकी घोषणा किए जाने के बाद देखते ही देखते लाखों लोग इससे जुड़ने लगे। इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्मों पर इसके समर्थन में बड़ी संख्या में पोस्ट, मीम्स और वीडियो साझा किए जाने लगे। यह स्पष्ट संकेत था कि यह केवल एक मजाक नहीं है, बल्कि युवाओं के भीतर मौजूद किसी गहरी बेचैनी और असंतोष की अभिव्यक्ति है।

भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति देश के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि युवा ऊर्जा विकास की गति को तेज कर सकती है, और चुनौती इसलिए क्योंकि यदि इस ऊर्जा को सही दिशा न मिले तो असंतोष और निराशा बढ़ सकती है। पिछले कुछ वर्षों में रोजगार का प्रश्न भारतीय युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लाखों छात्र वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्तियों में देरी, पेपर लीक, सीमित पदों और प्रशासनिक जटिलताओं के कारण उनका भविष्य अनिश्चित बना रहता है। निजी क्षेत्र में भी रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता को लेकर अनेक प्रश्न मौजूद हैं। ऐसे में युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।

कॉकरोच जनता पार्टी की लोकप्रियता को इसी संदर्भ में समझना होगा। यह आंदोलन केवल एक टिप्पणी की प्रतिक्रिया नहीं है। यह उस व्यापक मनोदशा का परिणाम है जो लंबे समय से बन रही थी। बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और भविष्य की अनिश्चितता—इन सभी कारकों ने युवाओं के भीतर एक ऐसी बेचैनी पैदा की है जिसे पारंपरिक राजनीति पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं कर सकी। इसलिए जब उन्हें एक ऐसा मंच मिला जहाँ वे व्यंग्य और हास्य के माध्यम से अपनी बात कह सकते थे, तो उन्होंने उसे हाथोंहाथ स्वीकार कर लिया। इस आंदोलन की सबसे दिलचस्प विशेषता इसका व्यंग्यात्मक स्वर है। इसकी टैगलाइन अर्थात आलसी और बेरोजगारों की आवाज सुनने में हास्यास्पद लग सकती है, लेकिन इसके भीतर गहरा राजनीतिक संदेश छिपा है। यह उस सोच पर सीधा प्रहार करती है जिसमें बेरोजगारी को अक्सर व्यक्ति की असफलता या आलस्य का परिणाम मान लिया जाता है। वास्तविकता यह है कि रोजगार का प्रश्न केवल व्यक्तिगत प्रयास का नहीं, बल्कि आर्थिक नीतियों, शिक्षा व्यवस्था, औद्योगिक विकास और प्रशासनिक दक्षता से भी जुड़ा हुआ है। जब लाखों योग्य युवा नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहे हों, तब पूरी समस्या का दोष केवल उन पर डाल देना उचित नहीं कहा जा सकता। कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा जारी घोषणापत्र भी इस आंदोलन की गंभीरता को रेखांकित करता है। पहली मांग रोजगार और बेरोजगारी से संबंधित है, जो दशार्ती है कि यह मुद्दा युवाओं की प्राथमिक चिंता है। दूसरी मांग आलस्य के अधिकार जैसी व्यंग्यात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से आधुनिक जीवन की प्रतिस्पर्धात्मक संस्कृति पर सवाल उठाती है। आज का युवा लगातार प्रदर्शन, सफलता और उपलब्धि के दबाव में जी रहा है। सोशल मीडिया ने इस दबाव को और बढ़ा दिया है, जहाँ हर व्यक्ति स्वयं की तुलना दूसरों से करता रहता है। ऐसे माहौल में यह मांग वास्तव में मानसिक स्वास्थ्य, जीवन की गुणवत्ता और मानवीय गरिमा के प्रश्न को सामने लाती है। घोषणापत्र की तीसरी मांग राजनीति में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व की बात करती है। यह महत्वपूर्ण है कि एक व्यंग्यात्मक आंदोलन भी लैंगिक समानता जैसे गंभीर विषय को अपने एजेंडे में स्थान देता है। चौथी मांग मीडिया की जवाबदेही से जुड़ी है। आज मीडिया की भूमिका को लेकर समाज में व्यापक बहस चल रही है। एक बड़ा वर्ग मानता है कि मीडिया का एक हिस्सा जनसरोकारों की अपेक्षा राजनीतिक और कॉर्पोरेट हितों को अधिक महत्व देता है। युवाओं के बीच यह भावना और अधिक प्रबल है क्योंकि वे अपनी समस्याओं को मुख्यधारा के विमर्श में पर्याप्त स्थान नहीं पाते। पाँचवीं मांग दलबदल की राजनीति पर रोक लगाने से संबंधित है, जो भारतीय लोकतंत्र की एक पुरानी समस्या रही है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि व्यंग्य के आवरण में प्रस्तुत यह घोषणापत्र वास्तव में गंभीर राजनीतिक प्रश्नों को सामने लाता है। स आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह राजनीति की भाषा को बदलता है। पारंपरिक राजनीति अक्सर गंभीर भाषणों, जटिल घोषणापत्रों और औपचारिक संवाद पर आधारित होती है। इसके विपरीत डिजिटल राजनीति मीम्स, छोटे वीडियो, व्यंग्यात्मक पोस्ट और वायरल अभियानों पर आधारित है। आज का युवा लंबी राजनीतिक बहसों की अपेक्षा संक्षिप्त, तीखी और प्रभावशाली अभिव्यक्ति को अधिक पसंद करता है। यही कारण है कि कॉकरोच जनता पार्टी जैसे अभियान इतनी तेजी से लोकप्रिय हो जाते हैं। वे उस भाषा में बात करते हैं जिसे नई पीढ़ी समझती और अपनाती है। हालाँकि इस लोकप्रियता को लेकर कुछ सावधानियाँ भी आवश्यक हैं। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स होना हमेशा वास्तविक राजनीतिक समर्थन का प्रमाण नहीं होता। इंटरनेट की दुनिया में कई अभियान तेजी से उभरते हैं और उतनी ही तेजी से गायब भी हो जाते हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि कॉकरोच जनता पार्टी भविष्य में एक बड़ी राजनीतिक शक्ति बन जाएगी। लेकिन यह भी सच है कि किसी आंदोलन का महत्व केवल उसके चुनावी भविष्य से नहीं आँका जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट का आवश्यक हस्तक्षेप

रोहित माहेश्वरी

देश में आवारा कुत्तों के हमलों और काटने की बढ़ती घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद महत्वपूर्ण और बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने अधिकारियों को उन पागल, गंभीर रूप से बीमार और भूखे आवारा कुत्तों को कानूनी रूप से इच्छा मृत्यु देने का निर्देश दिया है जो मानव जीवन के लिए खतरा बन चुके हैं। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने पशु प्रेमियों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया। अदालत ने पिछले साल नवंबर में दिए गए अपने उस आदेश में संशोधन करने से इनकार कर दिया, जिसमें आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में स्थानांतरित करने की बात कही गई थी। पिछले साल जुलाई में रेबीज के कारण एक छह साल की बच्ची की मौत की खबर के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को स्वतः संज्ञान में लिया था, जिसके बाद लंबी सुनवाई के बाद यह ऐतिहासिक फैसला आया है। फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा, "गरिमा के साथ जीने के अधिकार में यह अधिकार भी शामिल है कि व्यक्ति कुत्तों के हमलों के डर के बिना स्वतंत्र रूप से जीवन जी सके। राज्य मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकता। अदालत भी उन कठोर जमीनी हकीकतों से आंखें नहीं मूंद सकती, जहां बच्चे, विदेशी यात्री और बुजुर्ग कुत्तों के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं। संविधान ऐसे समाज की कल्पना नहीं करता, जहां बच्चों और बुजुर्गों का जीवन केवल शारीरिक ताकत या किस्मत के भरोसे हो। इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निर्देशों को नरम न करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। अदालत ने गौर किया कि एबीसी ढांचे की शुरूआत के बाद से लगभग दो दशक बीत जाने के बावजूद, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से लगातार बढ़ती आवारा कुत्तों की आबादी को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विस्तार और सुदृढ़ करने के लिए "निरंतर, व्यवस्थित और क्रमिक प्रयासों का स्पष्ट अभाव" रहा है। अदालत ने आवारा कुत्तों से जुड़ी घटनाओं में "चिंताजनक" वृद्धि को उजागर करने वाली कई समाचार पत्रों की रिपोर्टों का भी हवाला दिया। अदालत ने कहा कि उदयपुर में 2026 में लगभग 1,750 कुत्ते के काटने के मामले दर्ज किए गए, जबकि भीलवाड़ा में एक ही दिन में 42 लोगों को कुत्ते ने काटा। अदालत ने यह भी बताया कि तमिलनाडु में 2026 के पहले चार महीनों में लगभग 2.63 लाख कुत्ते के काटने के मामले और 17 संबंधित मौतें दर्ज की गईं। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि यह मुद्दा आवासीय इलाकों से आगे बढ़कर हवाई अड्डों और अन्य सार्वजनिक स्थानों तक फैल गया है, और यह भी बताया कि नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने 1 जनवरी, 2026 से हवाई अड्डे के टर्मिनलों में कम से कम 31 कुत्ते के काटने की घटनाओं को स्वीकार किया है। केरलम राज्य के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दशार्ता है। साल 2022 में मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्रालय ने संसद में जानकारी दी थी।

तपती धरती और झुलसता जीवन

महेन्द्र तिवारी

भारत इस समय भीषण गर्मी और लू की ऐसी मार झेल रहा है जिसने सामान्य जीवन को गहराई से प्रभावित कर दिया है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच चुका है। कई शहरों में यह 46 से 47 डिग्री तक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में हीटवेव और गंभीर हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। मई 2026 की यह गर्मी केवल मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक बड़े जलवायु संकट की चेतावनी मानी जा रही है।

दिल्ली के रिज क्षेत्र में तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि मुंगेशपुर में 46.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। सफदरजंग केंद्र पर अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक था। मौसम विभाग के अनुसार अगले कई दिनों तक राहत की संभावना बहुत कम है। गर्म हवाएं लगातार चल रही हैं और दोपहर के समय सड़कों पर निकलना कठिन हो गया है। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में तापमान 48.2 डिग्री तक पहुंच गया जो देश में सबसे अधिक दर्ज तापमानों में शामिल है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ और पिलानी में तापमान 46 डिग्री से ऊपर पहुंचा। हरियाणा के रोहतक में 46.9 डिग्री तापमान ने लोगों को झुलसा दिया। पंजाब और हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में भी लू का असर लगातार बढ़ रहा है। गर्मी की इस भयावह स्थिति ने जनजीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। दोपहर के समय सड़कें खाली दिखाई दे रही हैं। बाजारों में भीड़ कम हो गई है। मजदूर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है क्योंकि उन्हें खुले आसमान के नीचे काम करना पड़ता है। निर्माण कार्यों में लगे श्रमिक, रिक्शा चालक, डिलीवरी कर्मचारी और खेतों में काम करने वाले किसान लगातार लू का सामना कर रहे हैं। कई लोग चक्कर आने, सिरदर्द, उल्टी और बेहोशी जैसी समस्याओं से अस्पताल पहुंच रहे हैं। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ती गर्मी का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पिछले कुछ वर्षों में पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ा है। जंगलों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण, वाहनों और उद्योगों से निकलने वाली गैसें तथा तेजी से फैलता शहरीकरण इस संकट को और गहरा बना रहे हैं। दिल्ली जैसे महानगरों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण गर्मी लंबे समय तक बनी रहती है। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। दिनभर सूर्य की गर्मी सड़कों और इमारतों में जमा हो जाती है और रात में भी तापमान कम नहीं हो पाता।

बारह सेकंड की राजनीति : जब 'मेलोडी' ने नैरेटिव की पूरी पटकथा बदल दी

रामानुज पाठक

राजनीति के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो किसी विधेयक, युद्ध या भाषण से नहीं, बल्कि प्रतीकों से याद रखे जाते हैं। वे क्षण छोटे होते हैं, पर उनकी प्रतिध्वनि बहुत दूर तक जाती है। कभी किसी नेता का हाथ हिलाना इतिहास बन जाता है, कभी किसी मुस्कान में कूटनीति छिपी होती है, और कभी एक साधारण-सी टॉफी सत्ता, संचार और सांस्कृतिक मनोविज्ञान का नया व्याकरण लिख देती है।

हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर वायरल हुई वह छोटी-सी क्लिप—जहाँ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी सहजता से मेलोडी टॉफी के संदर्भ में दिखाई दिए—दरअसल केवल एक हल्का-फुल्का क्षण नहीं था। वह आधुनिक राजनीति के बदलते स्वरूप की एक गहरी झलक थी।

यह घटना इसलिए भी रोचक बन जाती है क्योंकि राजनीति अब केवल संसदों, रैलियों और समाचार चैनलों तक सीमित नहीं रही। आज सत्ता का एक बड़ा युद्धक्षेत्र इंटरनेट है, जहाँ शब्दों से अधिक प्रभाव चित्रों का होता है, तर्कों से अधिक असर प्रतीकों का और घोषणाओं से अधिक शक्ति मीम्स की होती है। डिजिटल युग ने राजनीति को एक नए तंत्र में बदल दिया है, जहाँ सूचना केवल पढ़ी नहीं जाती, बल्कि शेयर होती है; विचार केवल सुने नहीं जाते, बल्कि वायरल होते हैं।

संचार विज्ञान कहता है कि मानव मस्तिष्क लंबे भाषणों की तुलना में छोटे, दृश्यात्मक और भावनात्मक संकेतों को अधिक तेजी से ग्रहण करता है। न्यूरोसाइंस में इसे कॉग्निटिव ईज कहा जाता है—अर्थात वह सूचना जिसे मस्तिष्क बिना अधिक प्रयास के समझ ले। यही कारण है कि बारह सेकंड की एक क्लिप कभी-कभी पैंतालीस मिनट के भाषण पर भारी पड़ जाती है।

वास्तव में यह केवल हास्य नहीं था; यह डिजिटल नैरेटिव इंजीनियरिंग का उदाहरण था। राजनीति में नैरेटिव वही शक्ति है जो युद्ध में रणनीति होती है। जो यह तय कर दे कि जनता किस दृष्टि से किसी घटना को देखेगी, वही विमर्श का स्वामी बन जाता है। लंबे समय से राजनीतिक दल और वैचारिक समूह सोशल मीडिया पर अपने-अपने आख्यान गढ़ने में लगे हैं। कोई किसी चेहरे को प्रतिरोध का प्रतीक बनाता है, कोई किसी मुद्दे को जनाक्रोश का केंद्र। किंतु इंटरनेट का स्वभाव पारंपरिक राजनीति से अलग है—यहाँ नियंत्रण टिकाऊ नहीं होता। एक मीम, एक व्यंग्य, एक चुटीला दृश्य पूरी पटकथा उलट सकता है।

घर में घुस कर मारेंगे जैसी लोकप्रिय जनभाषा केवल आक्रामकता का मुहावरा नहीं रह गई है; यह उस मनोवृत्ति का प्रतीक बन चुकी है जिसमें जवाब उसी मंच पर दिया जाता है जहाँ चुनौती दी गई हो। पहले राजनीति प्रतिद्वंद्वी के आरोपों का उत्तर प्रेस विज्ञप्तियों से देती थी। अब जवाब मीम्स, रील्स और वायरल क्षणों से दिए जाते हैं। यही कारण है कि मेलोडी वाली क्लिप को लोगों ने केवल मनोरंजन की तरह नहीं देखा; उसे एक डिजिटल प्रत्युत्तर, एक सांस्कृतिक पलटवार के रूप में पढ़ा गया।

इस पूरे प्रसंग में सबसे दिलचस्प तत्व सहजता थी। आधुनिक जनसंपर्क अभियानों की सबसे बड़ी विफलता यह होती है कि वे अत्यधिक योजनाबद्ध दिखाई देते हैं। जनता अब स्क्रिप्टेड मुस्कानों और बनावटी संवादों को तुरंत पहचान लेती है। लेकिन जब कोई क्षण स्वाभाविक प्रतीत होता है, तो वह लोगों के भीतर भरोसा पैदा करता है।

यही कारण है कि वह छोटी-सी क्लिप इतनी व्यापक हो गई। उसमें कोई भारी-भरकम वैचारिक नारा नहीं था, केवल सहज मानवीय हास्य था। इंटरनेट संस्कृति की यही सबसे बड़ी शक्ति है—वह जटिल राजनीति को भी हल्के प्रतीकों में बदल देती है। एक समय था जब राजनीतिक विमर्श अखबारों के संपादकीय तय करते थे।

फिर टीवी डिबेट्स का दौर आया। अब एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि समाज किस पर हँसेगा, किस पर नाराज होगा और किसे नायक मानेगा।

यूपी में भी मुस्लिम लीग के साथ चुनाव लड़ सकती कांग्रेस

संजय सक्सेना

केरल में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार बन चुकी है। इस गठबंधन में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि बहुमत के लिए कांग्रेस को उसके सहयोग पर पूरी तरह निर्भर रहना पड़ेगा। दक्षिण भारत के एक राज्य की इस जीत ने जहाँ कांग्रेस के लिए राहत की साँस दी है, वहीं मुस्लिम लीग के हौसले इतने बुलंद हो गये हैं कि उसकी नजर अब उत्तर प्रदेश की राजनीति पर भी टिक गई है। केरल में सरकार बनने के बाद इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग केरल से बाहर भी अपनी भूमिका की तलाश में जुट गई है और उसके द्वारा 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावनाएँ तलाशी जा रही हैं। मुस्लिम लीग के इस कदम का राज्य की राजनीति पर गहरा असर पड़ना शुरू हो गया है। यह स्थिति सिर्फ केरल तक सीमित नहीं है, इसके प्रभाव की लहरें उत्तर प्रदेश और आगे चलकर अन्य रात्यों के चुनाव तक पहुँच सकती है। इसके लिये जहाँ 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस ने मुस्लिम वोटों को लेकर सियासी बिसात बिछनी शुरू कर दी है,वहीं बसपा से भी कांग्रेस हाथ मिला सकती है। गौरतलब हो, मुस्लिम लीग की यूपी में संभावित चुनावी रणनीति अभी तक मुख्य रूप से सीट-आधारित और गठबंधन-आधारित दिखती है।

उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार केरल में जीत के बाद कांग्रेस अपने लंबे समय के सहयोगी इंडियन मुस्लिम लीग को दक्षिण के बाहर भी इस्तेमाल करने की रणनीति बना रही है,

और उसका सबसे बड़ा टारगेट 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव माना जा रहा है । कांग्रेस द्वारा यूपी की मुस्लिम बहुल सीटों पर तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर अखिलेश यादव से गठबंधन नहीं होता, तो कांग्रेस इंडियन मुस्लिम लीग का यूपी में भरपूर इस्तेमाल कर सकती है। यानी कांग्रेस के मुस्लिम बहुल सीटों पर उम्मीदवार उतारने या समर्थन-आधारित दांव की संभावना है। यूपी में लीग का साथ लेकर कांग्रेस इससे सीधे बड़े राज्यव्यापी अभियान की शुरूआत कर कर सकती है, यह गठबंधन किसी बड़े गठबंधन के भीतर सीट-दर-सीट प्रभाव बनाने के लिए हो सकता है । यह रणनीति मुस्लिम मतदाताओं को यह संकेत देने के लिए भी हो सकती है कि पार्टी उनके प्रतिनिधित्व को गंभीरता से ले रही है।

सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस आगे चलकर इंडियन मुस्लिम लीग का बिहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में भी उपयोग कर सकती है। फिलहाल, यूपी को सबसे बड़ा लक्ष्य बताया गया है ।

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोट को लेकर सभी दलों की प्रतिस्पर्धा बढ़ी हुई है, और विश्लेषणों में कहा गया है कि 2027 में मुस्लिम वोट फिर से अहम भूमिका निभा सकता है ।

सुबह टहलने निकले व्यक्ति को ट्रक ने रौंदा, मौके पर मौत

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में अदलहाट थाना क्षेत्र के अदलहाट-शेरवां मार्ग पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 54 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। बड़भुइली गांव के पास ट्रक की चपेट में आने से व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

बड़भुइली गांव निवासी नंदलाल (54) पुत्र शोभनाथ रोज की तरह सुबह टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान अदलहाट से शेरवां की ओर जा रहे एक ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे चार पुत्र और दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।

मृतक के पुत्र भरत की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी अजय सेठ ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुठभेड़ के बाद तीन अंतरजनपदीय चोर गिरफ्तार, एक को गोली लगी

गोंडा
गोंडा जिले में कर्नलगंज पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन शातिर अंतरजनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया है। वाहन चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है, जबकि उसके दो साथियों को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी का सोना-चांदी, नकदी, हथियार और बाइक बरामद की है।

अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय ने बताया कि
कर्नलगंज पुलिस और एसओजी, सर्विलांस टीम शुक्रवार देर रात को वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सोनहरा मोड़ के पास पुलिस ने एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों को रुकने का संकेत दिया गया, लेकिन वे रुकने की बजाए भागने लगे। पीछा किए जाने पर आरोपितों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में रामचंद्र गुप्ता के पैर में गोली लगी। उसके दो साथी चांदबाबू और नईम भागने का प्रयास कर रहे थे, जिन्हें घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।

घायल आरोपित को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी कर्नलगंज ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर भर्ती कराया गया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 11 ग्राम सोना, करीब 1 किलो 100 ग्राम चांदी, 93 हजार रुपये नकद, एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।

पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे सुनसान घरों और दुकानों की रेकी कर रात में नकब लगाकर अथवा ताले तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पूछताछ में आरोपितों ने कर्नलगंज थाना क्षेत्र में दर्ज छह से अधिक चोरी की घटनाओं को स्वीकारा है। बरामद आभूषण और नकदी इन्हीं घटनाओं से संबंधित बताए जा रहे हैं।

योगी सरकार में तेजी से आकार ले रहा गोरखपुर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

चंद दिनों में ही लगभग 6.73 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा, 30 हजार दर्शकों के बैठने की होगी व्यवस्था

लखनऊ ।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खेल अवसंरचना के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी क्रम में गोरखपुर में निमार्णाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तेजी से आकार ले रहा है। लगभग 392.94 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का करीब 6.73 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह स्टेडियम न केवल पूर्वांचल बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

करीब 46 एकड़ क्षेत्र में विकसित होगा, दर्शकों की क्षमता 30 हजार होगीयोगी सरकार का यह ड्रीम प्रोजेक्ट गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला साबित होगा। स्टेडियम का 16 मई 2026 को भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम हुआ था। इसके बाद से निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मिट्टी भरने का काम पूरा हो गया है। पाइलिंग का काम चल रहा है। खेल निदेशालय के मुताबिक, वर्तमान में स्टेडियम का भौतिक निर्माण कार्य लगभग 6.73 प्रतिशत पूरा हो चुका है और कार्य निर्धारित समय सीमा के अनुसार आगे बढ़ रहा है। सरकार का लक्ष्य 23 दिसंबर 2027 तक इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पूर्ण करना है। करीब 46 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाला यह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाला होगा।

गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए वित्तीय संसाधनों की भी मजबूत व्यवस्था की गई है। इस परियोजना के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने सीएसआर फंड से 100 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने पर सहमति दी है। शेष राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जा रही है। परियोजना को गति देने के लिए राज्य सरकार ने प्रथम किस्त के रूप में 63 करोड़ 39 लाख रुपये की धनराशि भी स्वीकृत कर दी है। इस खेल परिसर में खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्टेडियम का निर्माण ग्राउंड प्लस टू फ्लोर मॉडल पर किया जा रहा है।

मुख्य मैदान में खिलाड़ियों के लिए सात प्लेइंग पिच और चार प्रैक्टिस पिच बनाई जाएंगी। रात्रिकालीन मुकाबलों के आयोजन को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप चार हाई मास्ट फ्लड लाइट्स लगाई जाएंगी। इससे दिन-रात दोनों समय मैच आयोजित किए जा सकेंगे। स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी का अवसर भी प्राप्त होगा। इससे गोरखपुर की पहचान केवल धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी के रूप में ही नहीं, बल्कि एक प्रमुख खेल केंद्र के रूप में भी स्थापित होगी।

खेल सचिव सुहास एल.वाई. ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश में क्रिकेट हब के रूप में डवलप हो रहा है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम वाराणसी का काम पूरा होने की स्टेज पर है। इसी तरह गोरखपुर में निर्माण कार्य तेजी पर है और अयोध्या का स्टेडियम बनकर तैयार है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आईपीएल मैच हो रहे हैं। खेल निदेशक आरपी सिंह ने कहा कि गोरखपुर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण से पूर्वांचल में खेलों को नई दिशा मिलेगी। गोरखपुर और आसपास के जिलों में क्रिकेट समेत अन्य खेलों की सुविधाओं का लगातार विस्तार

विंध्य कॉरिडोर से निखरा विंध्यधाम, आस्था और अर्थव्यवस्था को मिली नई उड़ान : उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

मां विंध्यवासिनी का किया चरण पूजन, नवाया शीश-मांगा आशीष

मीरजापुर।
मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शनिवार देर शाम विंध्याचल पहुंचकर मां विंध्यवासिनी के दरबार में मत्था टेका। उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने विंध्य कॉरिडोर का अवलोकन किया और यहां हुए विकास कार्यों की सराहना की।

उपमुख्यमंत्री पुरानी वीआईपी गेट संख्या-1 से मंदिर परिसर पहुंचे और तीर्थ पुरोहितों के मार्गदर्शन में मां विंध्यवासिनी का चरण पूजन किया। इसके बाद उन्होंने पक्का घाट पहुंचकर मां गंगा का दर्शन भी किया। दर्शन-पूजन की प्रक्रिया तीर्थ पुरोहित धीरज मिश्रा ने संपन्न कराई।

पत्रकारों से बातचीत में राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि पुरुषोत्तम मास में मां गंगा और मां विंध्यवासिनी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि विंध्यधाम में हुए विकास कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बधाई दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब किसी धार्मिक स्थल का विकास होता है तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे क्षेत्र के विकास पर पड़ता है।

गो-संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही मध्य प्रदेश सरकार
गौ संरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है।

वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पर 15 जून को यात्री सेवा दिवस मनाएंगे – निदेशक

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डा के निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि वाराणसी में हवाई अड्डे पर उत्सव का माहौल होने जा रहा है। कल 15 जून को यात्री सेवा दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए पूरी तरह की गई है। अपने यात्रियों को समर्पित विशेष गतिविधियों के कार्यक्रम की रूपरेखा बनी हैं। हमारे यात्रियों की मुस्कान ही हमारे काम को पूरा करती है। इस उत्सव की झलकियों के लिए हमारे सहकर्मी में उत्साह है।

निदेशक पुनीत ने रविवार को बताया कि 15 जून को प्रातः काल सात बजे से लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पर आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शिविर, हवाई अड्डे पर आने वाले यात्रियों का पौधा देकर और तिलक लगाकर स्वागत, विमानन क्षेत्र की महिला बल और स्वच्छता कर्मियों का सम्मान, सांस्कृतिक नृत्य, बच्चों के लिए चित्रकला और सेल्फी प्वाइंट बनाए जाने जैसे तमाम आयोजन होगें।

- अक्टूबर में एयरशो की अभी से तैयारी
वाराणसी के नमो घाट पर 20 अक्टूबर से सूर्य किरण जेट के नौ एयरक्राफ्ट वाराणसी आ जाएंगे। पांच दिन अभ्यास होगा। इस दौरान एयर शो होगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य अतिथि के रूप में रहना प्रस्तावित है। एयर शो के लिए वर्तमान समय में नमो घाट और हवाई अड्डे पर तैयारियां चल रही हैं।

वाराणसीः सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्री कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से

विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ संस्कृत अध्ययन का श्रेष्ठ केन्द्र है विश्वविद्यालय: प्रो. शैलेश मिश्र

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्री (स्नातक) कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया की शुरूआत सोमवार (15 जून) से होगी। 15 जुलाई 2026 तक प्रवेश प्रक्रिया चलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने संस्कृत, भारतीय दर्शन एवं प्राच्य विद्याओं के अध्ययन में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों से निर्धारित अवधि में प्रवेश के लिए आवेदन करने का आह्वान किया है। रविवार को यह जानकारी छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. शैलेश कुमार मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि "शास्त्री कक्षा में प्रवेश लेकर विद्यार्थी अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान-परम्परा, सांस्कृतिक चेतना और जीवन-दर्शन की आधारशिला है। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को परम्परा और आधुनिकता के समन्वित स्वरूप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।" प्रो. मिश्र के अनुसार विश्वविद्यालय में वेद, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, पुराण, धर्मशास्त्र, न्याय, वेदान्त, पालि एवं थेरवाद सहित विभिन्न पारम्परिक विषयों में स्नातक स्तर की शिक्षा उपलब्ध है। यहाँ अध्ययनरत विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल स्रोतों से जुड़ने तथा आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने व्यक्तित्व का विकास करने का अवसर प्राप्त होता है। प्रो. मिश्र ने कहा कि लगभग 236 वर्षों की गौरवशाली शैक्षिक परम्परा से समृद्ध यह विश्वविद्यालय काशी की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। विश्वविद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था, विद्वान आचार्यों द्वारा अध्यापन, पारम्परिक एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का समन्वय तथा रोजगारपरक एवं मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रमों की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

–विश्वविद्यालय में अध्ययन की विशेषताएं
प्रो. मिश्र के अनुसार, विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए विश्वविद्यालय में आधुनिक कम्प्यूटर लैब, भाषा प्रयोगशाला, वेधशाला, यंत्रशाला, पुरातत्त्व संग्रहालय, दुर्लभ पाण्डुलिपियों से समृद्ध ग्रन्थालय, यज्ञशाला, विशाल पुस्तकालय, छात्रावास, वाई-फाई युक्त परिसर, शुद्ध पेयजल एवं खेलकूद की उत्कृष्ट सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विदेशी विद्यार्थियों एवं छात्राओं के लिए पृथक छात्रावास की व्यवस्था भी विश्वविद्यालय की विशेषताओं में सम्मिलित है। प्रो. मिश्र ने अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा और प्राच्य विद्याओं के संरक्षण-संवर्धन में सहभागी बनने के लिए अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी विश्वविद्यालय से जुड़ें तथा अपने जीवन को ज्ञान, संस्कार और रोजगारपरक शिक्षा से समृद्ध करें।

जीवनधारा पौधारोपण अभियान हुआ गतिशील, शहीद भगत सिंह पार्क में लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के पौधे

औरैया।
पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाजसेवी संस्था एक विचित्र पहल सेवा समिति (रजि.) उत्तर प्रदेश के औरैया द्वारा संचालित जीवनधारा पौधारोपण अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। अभियान के तहत रविवार सुबह आवास विकास कॉलोनी स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों को सौंपी गई। समिति द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू किए गए 5100 पौधों के पौधारोपण लक्ष्य के अंतर्गत शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, पार्कों और प्रमुख मार्गों पर लगातार पौधारोपण किया जा रहा है। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में बेलपत्र, अशोक, आंवला, पकड़िया, गुड़हल, चितवन, कदम, हरसिंगार और चांदनी सहित कई छायादार एवं उपयोगी पौधे लगाए गए।

पौधारोपण के बाद आयोजित पर्यावरण गोष्ठी में समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने कहा कि प्रकृति के साथ लगातार हो रही छेड़छाड़ का परिणाम पर्यावरण असंतुलन और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। इनसे हमें प्राणवायु, फल, फूल, ईंधन तथा अनेक प्रकार की दुर्लभ औषधियां प्राप्त होती हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत यमुना तट, मंगला काली एवं देवकली मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, सार्वजनिक पार्कों, विद्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण के साथ लोगों को उनकी पसंद के पौधे निःशुल्क वितरित भी किए जा रहे हैं।

जौनपुर में प्रवक्ता परीक्षा शुरू, 18 केंद्रों पर 8375 अभ्यर्थी दे रहे परीक्षा

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज परीक्षा-2025 रविवार से जिले में शुरू हो गई। परीक्षा के लिए बनाए गए 18 केंद्रों पर कुल 8,375 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को कड़ी जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा ने बताया कि परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए 18 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं 18 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। साथ ही निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल एवं साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। एडीएम ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि परीक्षा को देखते हुए शहर में विशेष रूट डायवर्जन लागू किया गया है। यह व्यवस्था सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक प्रभावी रहेगी।

खेत में मिला 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव, मिर्गी का दौरा पड़ने से मौत की आशंका

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के गांव रठगांव में सहसपुर मोड़ के पास एक खेत में शनिवार रात 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर अरविंद कुमार गुप्ता (60) पुत्र रामचंद्र गुप्ता निवासी धूपकरी, थाना सहायल के रूप में की।

पंप के पीछे पड़ा मिला शव
शनिवार रात करीब 8:30 बजे रठगांव निवासी रामसेवक शर्मा के खेत में लगे पंप के पीछे ग्रामीणों ने एक वृद्ध को मृत अवस्था में पड़ा देखा। खेत में शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर क्षेत्राधिकारी पी. पुनीत मिश्रा और कोतवाली प्रभारी विनेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

मौके पर पहुंचे मृतक के पुत्र हर्षित कुमार ने शव की पहचान अपने पिता अरविंद कुमार गुप्ता के रूप में की। हर्षित ने बताया कि उनके पिता लंबे समय से मिर्गी की बीमारी से पीड़ित थे और उनका इलाज चल रहा था। वह अपनी बहन ज्योति के घर ग्राम भटौली आए हुए थे।

परिजनों के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10 बजे अरविंद कुमार शौच के लिए घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई। रात में उनका शव रठगांव के पास खेत में मिला।

दौरा पड़ने से हुई मौत की आशंका
परिजनों का मानना है कि खेतों की ओर जाते समय उन्हें मिर्गी का दौरा पड़ा होगा या अचानक तबीयत बिगड़ने से वह खेत में मुंह के बल गिर गए।

समय पर सहायता और उपचार न मिलने के कारण उनकी मौत हो गई होगी। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार
कोतवाली प्रभारी विनेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या संघर्ष के निशान नहीं पाए गए हैं। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई प्रवक्ता भर्ती प्रारंभिक परीक्षा, 3438 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

औरैया।
उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित राजकीय इंटर कॉलेज प्रवक्ता भर्ती प्रारंभिक परीक्षा-2025 रविवार को जनपद के नौ परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और नकलविहीन वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा एक ही पाली में आयोजित की गई, जिसमें कुल 3438 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था की गई थी।

रविवार सुबह से ही सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ देखने को मिली। प्रवेश से पूर्व प्रत्येक अभ्यर्थी की सघन जांच की गई। आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुबह 8:45 बजे परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। इससे कई देर से पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को बाहर ही लौटना पड़ा।

परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर पुलिस बल के साथ-साथ सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी और केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान जिलाधिकारी बृजेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और अनुशासन के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों, सुरक्षा व्यवस्था और अभ्यर्थियों के लिए की गई सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

जनपद में नगर पालिका इंटर कॉलेज औरैया, तिलक इंटर कॉलेज औरैया, जनता इंटर कॉलेज ककोर बुजुर्ग, श्री जनता इंटर कॉलेज अजीतमल, जिला पंचायत इंटर कॉलेज मुरादगंज समेत कुल नौ परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और कहीं से किसी प्रकार की अव्यवस्था अथवा नकल की शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर डंपर ने खड़े ट्रक में मारी टक्कर, युवक की मौत

उरई।
बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर रविवार को तेज रफ्तार गिट्टी लदा डंपर ने एक खड़े ट्रक में पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर के परखच्चे उड़ गए और हादसे में डंपर चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गया।

यह हादसा जालौन कोतवाली क्षेत्र के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 208.2 पर हुआ। एक तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि डंपर आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका केबिन पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे में डंपर चालक अरुण उर्फ छोटू (20), निवासी झांसी, की मौके पर ही मौत हो गई। डंपर में सवार क्लीनर भी गंभीर रूप से घायल हो गया। आस-पास से गुजर रहे लोगों और अन्य वाहन चालकों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल क्लीनर को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, मृतक अरुण के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रुपया में सप्ताहिक तौर पर डॉलर के मुकाबले मामूली कमजोरी रही

भू-राजनीतिक तनाव में कमी और तेल कीमतों में नरमी ने दी कुछ राहत

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह भारतीय रुपये का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। डॉलर के मुकाबले रुपये में सप्ताह भर में 0.18 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें अच्छी मजबूती देखने को मिली, जिससे हुई कुल साप्ताहिक गिरावट में कुछ सुधार आया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 0.68 फीसदी की तेजी के साथ 95.11 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह गुरुवार के 95.76 प्रति डॉलर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण सुधार था, जब रुपये में उल्लेखनीय कमजोरी देखी गई थी। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.94 के स्तर तक भी पहुंचा था, जो बाजार के बेहतर माहौल को दर्शाता है। रुपये में आई इस मजबूती की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में युद्ध थमने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, बाजार का बेहतर होता माहौल और अमेरिका-ईरान के बीच कूटनीतिक सफलता की संभावनाओं से डॉलर का कमजोर होना रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विदेशी मुद्रा विनियम के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने इस बात पर जोर दिया कि रुपये ने गुरुवार को हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई की है। रुपया फिलीपींस के पेसो, दक्षिण कोरियाई वॉन और इंडोनेशियाई रुपिया के बाद एशिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक रहा। हालांकि, फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपये में कुल 4.35 फीसदी की गिरावट आ चुकी है, जो लंबी अवधि की चुनौतियों को दर्शाता है।

रिलायंस अनिल अंबानी समूह के दो पूर्व अधिकारियों को ईडी ने किया गिरफ्तार

पीएमएलए के तहत हुई गिरफ्तारी, बैंक लोन धोखाधड़ी की जांच जारी

मुंबई।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह पर अपना शिकंजा कसते हुए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दो पूर्व अधिकारियों सतीश सेठ और गौतम दोषी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कथित बैंक लोन फ्रॉड से संबंधित सीबीआई की जांच के बाद हुई है। इसी के साथ नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की याचिका को स्वीकार कर लिया है, जिससे समूह की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सेठ और दोषी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के पूर्व निदेशक रह चुके हैं। उन पर भारतीय स्टेट बैंक को 114.98 करोड़ रुपए के कथित लोन फ्रॉड का आरोप है, जिसके संबंध में सीबीआई ने पहले मामला दर्ज किया था। ईडी ने सीबीआई की इसी शिकायत का संज्ञान लिया है। उन्हें आगे की कस्टडी के लिए दिल्ली की अदालत में पेश किया जाएगा। एसबीआई उन 11 बैंकों के कंसोर्टियम का हिस्सा था, जिन्होंने रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड को कुल 735 करोड़ रुपए की टर्म लोन सुविधा मंजूर की थी। दूसरी ओर एनसीएलटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस इन्फ्राटेल लिमिटेड को दिए गए ऋणों के लिए व्यक्तिगत गारंटर के रूप में अनिल अंबानी की भूमिका को लेकर एसबीआई की याचिका मंजूर कर ली है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने इस फैसले को कानूनी रूप से चुनौती देने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि जून में सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर अमिताभ झुनझुनवाला को भी इसी तरह के एक बड़े लोन फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया था।

बॉन्ड बाजार में लौटी रौनक कंपनियों व संस्थानों ने जुटाए 27,000 करोड़

अगले हफ्ते भी जारी रहेगा बॉन्ड जारी करने का सिलसिला

नई दिल्ली।

इस हफ्ते भारतीय कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई, जहां कंपनियों और संस्थानों ने करीब 27,000 करोड़ रुपये जुटाए। बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण उधार लेने की लागत कम होने से कंपनियों ने बड़े पैमाने पर बॉन्ड जारी करना शुरू कर दिया है।

यह तेजी प्रारंभिक वित्त वर्ष में देखी गई सुस्ती के बाद आई है, जब ऊंची यील्ड ने उधारकर्ताओं को बैंक ऋण का सहारा लेने पर मजबूर किया था। इस सप्ताह अच्छी रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड पर यील्ड लगभग 50 से 70 आधार अंक तक कम हुई, जबकि 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में करीब 9 आधार अंक की गिरावट दर्ज की गई।

यील्ड में इस अनुकूल कमी ने कंपनियों के लिए बॉन्ड बाजार से पूंजी जुटाना अधिक आकर्षक बना दिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया नीतिगत समर्थन और पूंजी जुटाने के लिए उठाए गए कदमों, जैसे विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक (बी) जमा और बाह्य वाणिज्यिक उधारी को बढ़ावा देने से भी पूंजी जुटाने की स्थिति में सुधार हुआ है और रुपये को स्थिर करने में मदद मिली है। बाजार में यह उत्साह अगले हफ्ते भी जारी रहने की उम्मीद है। हाउसिंग ऐंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हडको), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान अगले हफ्ते बॉन्ड से कुल 13,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों (अप्रैल और मई) में प्राथमिक बाजारों में काफी कम गतिविधियां देखी गई थीं, जब भारतीय कंपनियों ने घरेलू बॉन्ड बाजार से केवल 1.07 लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई थी।

यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले लगभग 58 फीसदी कम थी और वित्त वर्ष 2023 के बाद से किसी भी वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों में जुटाई गई सबसे कम रकम थी। इस सप्ताह नेशनल बैंक फॉर फाइनैंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐंड डेवलपमेंट (नैबफिड) ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाए।

पीएनबी, उज्जीवन ने बढ़ाईं एफसीएनआर जमा दरें

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा प्रवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) अमेरिकी डॉलर जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इस कदम का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को विदेशी मुद्रा में अपनी आय बढ़ाने का अवसर देना तथा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम से सुरक्षा प्रदान करना है। बैंक के अनुसार विशेष एफसीएनआर (बी) जमा योजना के तहत तीन से चार वर्ष की अवधि के लिए छह प्रतिशत, जबकि चार से पांच वर्ष की अवधि के लिए 6.05 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। पांच वर्ष की सावधि जमा पर पीएनबी 6.1 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भी एफसीएनआर (बी) जमा दरों में वृद्धि की है। बैंक ने तीन से पांच वर्ष की अवधि के लिए अधिकतम 7.13 प्रतिशत तक ब्याज दर की घोषणा की है।

मोगावीरा सहकारी बैंक पर आरबीआई का शिकंजा, निकासी सीमा तय

छह महीने के लिए लागू हुआ प्रतिबंध, खाताधारक केवल 1 लाख रुपये तक ही निकाल सकेंगे

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई के मोगावीरा सहकारी बैंक की गंभीर होती वित्तीय स्थिति पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन निर्देशों के तहत अब कोई भी खाताधारक अपने विभिन्न खातों से अधिकतम 1 लाख रुपये तक ही निकाल पाएगा।

यह कदम ग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई का यह आदेश शुक्रवार को बैंकिंग कार्य समाप्त होने के बाद से लागू हो गया है और अगले छह महीने तक प्रभावी रहेगा, जिसकी केंद्रीय बैंक समय-समय पर समीक्षा करेगा। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि बैंक की बिगड़ती वित्तीय स्थिति के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। आरबीआई लगातार मोगावीरा बैंक के बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन के संपर्क में था ताकि कमियों को दूर कर खाताधारकों के पैसों की रक्षा की जा सके, लेकिन बैंक ने कोई ठोस प्रयास नहीं किए। जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए अंततः आरबीआई को यह सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। इस अवधि में बैंक नए ऋण जारी नहीं कर सकेगा और न ही कोई नया निवेश कर पाएगा।

शेयर बाजार ने निराशा से ऐतिहासिक छलांग तक का तय किया सफर

वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव से प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं रहा। वैश्विक नकारात्मक रुझानों और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोमवार को भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे प्रमुख सूचकांक धड़ाम हो गए। हालांकि सप्ताह के अंत में निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी ने बाजार में तूफानी वापसी दर्ज कराई और सेंसेक्स-निफ्टी नए ऐतिहासिक उच्च स्तरों पर बंद हुए, जो बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को बेहद निराशाजनक रही। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े वैश्विक बदलावों के बीच जोखिम से बचने के माहौल ने बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। मुनाफावसूली के चलते सेंसेक्स 719.08 अंक लुढ़ककर 73,524.26 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 243.71 अंक टूटकर 23,123.00 के अहम स्तर से नीचे आ गया। यह बिकवाली एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी देखी गई। मंगलवार को बाजार ने शानदार वापसी की और दोनों सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स 394.50 अंक की बढ़त के साथ 73,918.76 पर पहुंचा, वहीं निफ्टी 119.10 अंक मजबूत होकर 23,242.10 पर बंद हुआ। हालांकि बुधवार को बाजार में मिला-जुला रुख दिखा। सेंसेक्स मामूली 64.42 अंक बढ़कर 73,983.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 27.15 अंक गिरकर 23,214.95 पर लाल निशान में रहा। इस दौरान रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट जारी रही। गुरुवार को एक बार फिर बाजार में बिकवाली का माहौल दिखा। सेंसेक्स 150.63 अंक फिसलकर 73,832.55 पर आ गया और निफ्टी 53.35 अंक कमजोर होकर 23,161.60 पर बंद हुआ। भारतीय रुपये में भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की और गिरावट दर्ज की गई, जो 95.60 पर पहुंच गया। शुक्रवार का दिन निवेशकों के लिए किसी सौगात से कम नहीं रहा। जबरदस्त खरीदारी के माहौल में बाजार खुलते ही चौतरफा तेजी देखी गई। जोखिम लेने के बढ़ते रुझान के चलते दिनभर सूचकांकों ने जोरदार छलांग लगाई। कारोबारी सत्र के अंत में बीएसई सेंसेक्स 1,695.40 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 75,527.95 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

मई में बढ़ी खुदरा महंगाई, 3.93 फीसदी पर पहुंचा आंकड़ा

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल बनी मुख्य वजह, अक्टूबर में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार द्वारा जारी मई के आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति (रिटेल इनफ्लेशन) बढ़कर 3.93 फीसदी पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48 फीसदी थी। यह इस साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है, जिसमें अप्रैल के मुकाबले 0.45 प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में आया उछाल है, जिससे आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। मई में उपभोक्ता खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 4.78 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 4.2 फीसदी थी। ग्रामीण इलाकों में यह दर 4.85 फीसदी और शहरी इलाकों में 4.66 फीसदी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, टमाटर, अदरक और अन्य सब्जियों जैसी जल्द खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों में तेजी से यह दबाव बना है। हालांकि, कोर इनफ्लेशन लगभग 3.7 फीसदी पर स्थिर रहा, जो दर्शाता है कि मुद्रास्फीति में वृद्धि में खाद्य वस्तुओं का ही प्रमुख योगदान है। बाजार के जानकारों ने कहा कि 4 फीसदी से नीचे का खुदरा और कोर इनफ्लेशन अल्पकालिक राहत का संकेत देता है, लेकिन मानसून के असर पर नजर रहेगी। उन्होंने अक्टूबर में ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी की संभावना जताई है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अल-नीनो के संभावित प्रभाव (कमजोर मानसून) से भविष्य में महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है, जिससे पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है।

अमेरिकी आदेश के बाद एन्थ्रोपिक ने बंद किए अपने सबसे एडवांस एआई मॉडल

राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं पर अमेरिकी सरकार का निर्देश; जेलब्रेक की आशंका पर कंपनी असहमत

नई दिल्ली।

अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एन्थ्रोपिक ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिकी सरकार के आदेश के बाद अपने सबसे उन्नत एआई मॉडल फे विल 5 और मायथॉस 5 को सभी विदेशी उपयोगकर्ताओं के लिए बंद कर दिया है। एन्थ्रोपिक को मिले निर्देश में फे विल 5 के सुरक्षा उपायों को बायपास या जेलब्रेक करने की आशंका जताई गई है, जिससे सॉफ्टवेयर कमजोरियों का पता लग सकता है। हालांकि, कंपनी ने केवल एक संभावित सीमित जेलब्रेक के मौखिक सबूत मिलने की बात कही। एन्थ्रोपिक ने करोड़ों लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे कमर्शियल मॉडल को ऐसे सीमित कारण से वापस लेने को अनुचित बताया है, जिससे एआई डेवलपर्स और नियामकों के बीच तनाव बढ़ा है। यह कार्रवाई कंपनी के ट्रंप प्रशासन से पुराने विवाद और अमेरिकी सेना को अपने एआई मॉडल घरेलू निगरानी या स्वचालित हथियारों के लिए देने से इनकार के बाद हुई है, जिसके जवाब में सरकार ने उसे ब्लैकलिस्ट किया था। यह घटना विदेशी एआई क्षमताओं को रोकने के अमेरिकी प्रयासों में एक बड़ा बदलाव भी दर्शाती है।

क्रूड 87 डॉलर के पार, कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

महानगरों में स्थिर रहीं कीमतें, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की तेजी का असर

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 87 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने के बाद देश के कई शहरों में ईंधन के दामों में बदलाव आया है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे चारों महानगरों में कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों की घोषणा के अनुसार, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 22 पैसे महंगा होकर 101.92 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल में 21 पैसे की बढ़त के साथ यह 95.37 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसी तरह, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 11 पैसे चढ़कर 113.65 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 99.36 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को आंशिक राहत मिली है। यहां पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 102.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे की गिरावट के साथ 95.44 रुपये प्रति लीटर के भाव पर आ गया है। गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे जारी की जाती हैं। इन दामों में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन, वैट और अन्य शुल्कों को जोड़ने के बाद इनका अंतिम मूल्य मूल भाव से लगभग दोगुना हो जाता है।

सोयाबीन खल की कमी ने बढ़ाई लागत, सीएलएफएमए ने जताई चिंता

सीएलएफएमए ने कहा, लागत बढ़ने से पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र पर दबाव

मुंबई।

पशु आहार उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है। कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएलएफएमए) ने सोयाबीन तेल-रहित खल (डीओसी), जो पशु आहार में प्रोटीन का मुख्य स्रोत है, की गंभीर कमी पर चिंता व्यक्त की, जिससे चारे की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इस आपूर्ति व्यवधान के कारण पोल्ट्री, जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) तथा पशुपालन क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ा है। सीएलएफएमए के अनुसार हाल के हफ्तों में सोयाबीन डीओसी की कीमतें 40 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 65-66 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। इस वृद्धि ने चारे के उत्पादन की लागत में इजाफा किया है, जिससे 'एनिमल प्रोटीन' मूल्य श्रृंखला से जुड़े किसानों पर सीधा असर पड़ रहा है। संघ की एक प्रमुख अधिकारी ने कहा, भारत के पोल्ट्री, एक्वाकल्चर और पशुपालन क्षेत्र खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सोयाबीन डीओसी की निरंतर कमी और चारे की बढ़ती लागत से खेती की उत्पादकता और मुनाफे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चारे की सामग्री की उपलब्धता को राष्ट्रीय प्राथमिकता बताया। उन्होंने सभी अंशधारकों से किसानों के हितों की रक्षा और देश के चारा एवं पशु कृषि परिवेश को मजबूत करने के लिए एक संतुलित व टिकाऊ समाधान हेतु मिलकर काम करने की अपील की है।

स्पेसएक्स की बंपर लिस्टिंग, एलन मस्क बने दुनिया के पहले ट्रिलियनियर

शेयरों में 23 फीसदी की उछाल, कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2.18 लाख करोड़ डॉलर पहुंचा

वाशिंगटन।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करते हुए अपने सीईओ एलन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनियर बना दिया। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 23 प्रतिशत उछल गए, जिससे मस्क की संपत्ति 1.1 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गई। स्पेसएक्स के शेयर 150 डॉलर के भाव पर खुले, जो निर्गम मूल्य से 11 प्रतिशत अधिक था, और शीघ्र ही 166.90 डॉलर तक पहुंचे। इस जोरदार शुरुआत ने कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 2.18 लाख करोड़ डॉलर आंका, जिससे फोर्ब्स के अनुमान के अनुसार एलन मस्क की कुल संपत्ति 1.1 लाख करोड़ हो गई है, और वे इतिहास के पहले ट्रिलियनियर बन गए हैं। कंपनी ने 135 डॉलर प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 55.56 करोड़ शेयर बेचकर रिकॉर्ड 75 अरब जुटाए, जो 2019 के सऊदी अरामको के 26 अरब डॉलर के आईपीओ के रिकॉर्ड को भी तोड़ गया। मस्क ने इन निधियों को उपग्रहों, अंतरिक्ष में डेटा सेंटर स्थापित करने और मंगल पर मानव बस्ती बसाने जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आम लोगों को चंद्रमा और मंगल तक ले जाने की कंपनी की योजनाओं का भी जिक्र किया। हालांकि, कंपनी को जनवरी 2025 से मार्च 2026 के बीच 8.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, और मॉर्निंगस्टार जैसे विश्लेषकों ने इसके आईपीओ मूल्यांकन को अत्यधिक बताते हुए चिंता व्यक्त की है, जो उसके अनुमानित मूल्य का लगभग आधा है। स्पेसएक्स इस वर्ष बाजार में सूचीबद्ध होने वाली तीन बड़ी कंपनियों में से पहली है।

भारत, स्विट्जरलैंड ने दवा क्षेत्र में निवेश अवसरों पर चर्चा की

बर्न।

भारत और स्विट्जरलैंड ने भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में स्विस दवा कंपनियों के लिए नए निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने स्विट्जरलैंड दौरे के दौरान इस विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। गोयल ने बर्न में स्विट्जरलैंड के आर्थिक मामलों की सचिव हेलेन बुडलिगर आर्टिएडा और प्रमुख दवा एवं जैव-प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की सह-अध्यक्षता की।

उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि चर्चा का केंद्र नवाचार को मजबूत करने के साथ-साथ भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान क्षेत्र में नए निवेश अवसरों पर था। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री ने स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। इस दौरान दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को रेखांकित किया गया।

आर्थिक जुड़ाव, निवेश प्रवाह और बहुप्रतीक्षित भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को और

मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

केन विलियमसन के सन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

कहा- महानतम बल्लेबाज ने क्रिकेट को अलविदा कहा

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार (12 जून) को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया. इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया।

विलियमसन इस समय इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं जिसमें न्यूजीलैंड पहला मैच 115 रन से हार गई थी. विलियमसन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे और दूसरी में 18 रन पर आउट हो गए थे. ये मैच उनके करियर का आखिरी मैच बन गया। अपने 16 साल के शानदार करियर में विलियमसन ने देश के लिये कुल 378 मैच खेले. जिसमें 110 टेस्ट, 175 वनडे और 93 टी20 मैच शामिल हैं. विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यही सही समय है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिये मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिये हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।'

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा , 'हमारे महानतम खिलाड़ियों में से एक विदा हो रहा है. केन विलियमसन ने त्वरित प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है।'

मजदूर का बेटा बना 'गोल्डन बॉय'

बेटे की कामयाबी देख फफक-फफक कर रोए माता-पिता

करनाल (एजेंसी)। हौंसले के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रख, हार जा चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रख. इन पंक्तियों को पूरी तरह सच कर दिखाया है करनाल के सुमित ने. सुमित सीकरी गांव के निवासी हैं. गुजरात के अहमदाबाद में 4 जून से 8 जून 2026 तक 'फर्स्ट वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता में सुमित ने अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के दम पर ना केवल देश का परचम लहराया, बल्कि वैश्विक पटल पर भारत और हरियाणा का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा दिया।

विश्व मंच पर सुमित का स्वर्णिम प्रदर्शन?- देशभर से आए श्रेष्ठ योगासन खिलाड़ियों के बीच हुए इस कड़े और उच्च स्तरीय मुकाबले में सुमित ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दो अलग-अलग इवेंट्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. सुमित ने इस विश्व चैंपियनशिप के सीनियर मेल कैटेगरी में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए दो स्पर्धाओं में देश की झोली में स्वर्ण पदक डाले हैं।

लेग बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट (सीनियर मेल कैटेगरी)- अपनी एकाग्रता और शारीरिक संतुलन का लोहा मनवाते हुए सुमित ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मप्र शहडोल के 'मिनी ब्राजील' में फीफा का उत्साह

● खिलाड़ी चाहते हैं ब्राजील बने विश्व विजेता ● भारत को फीफा तक पहुंचाने का संकल्प लिया

भोपाल/शहडोल (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो गई है, जिसे लेकर दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस महाकुंभ पर करोड़ों निगाहें टिकी हैं। इस वैश्विक रोमांच के बीच मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का 'मिनी ब्राजील' गांव विचारपुर भी फुटबॉल के रंग में रंग चुका है। विश्व कप शुरू होने से पहले ही विचारपुर के मैदानों में रौनक बढ़ गई है। गांव के बच्चे और युवा खिलाड़ी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। यहां के अधिकांश खिलाड़ी ब्राजील का समर्थन करते हैं और उन्हें ही फीफा का विश्व विजेता देखना चाहते हैं। वहीं टीम इंडिया का फीफा तक नहीं पहुंच पाना भी उनके लिए निराशा का विषय है। मिनी ब्राजील के मैदान में फुटबॉल खेल रहे बच्चों का कहना है कि हम आने वाले समय में टीम इंडिया को फीफा तक पहुंचाएंगे। मैदान में खेल रहे कुछ युवा अर्जेंटीना और लियोनेल मेसी के प्रशंसक भी हैं। लेकिन इस उत्साह के बीच एक सवाल भी बार-बार उठता है जब दुनिया फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उतर रही है, तब भारत अब तक वहां क्यों नहीं पहुंच पाया?

क्यों कहा जाता है विचारपुर को मिनी ब्राजील? – शहडोल मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित विचारपुर गांव में फुटबॉल केवल खेल नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। गांव के अधिकांश घरों में कोई न कोई खिलाड़ी फुटबॉल से जुड़ा हुआ है। यहां बच्चे चलना सीखने के साथ फुटबॉल को भी अपनाने लगते हैं।

वर्षों पहले गांव के युवाओं ने फुटबॉल को अपनी पहचान बनाया। धीरे-धीरे यहां से कई खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। महिला खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। गांव में फुटबॉल के प्रति इसी जुनून ने इसे मिनी ब्राजील की पहचान दिलाई।

पीएम मोदी ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान – विचारपुर को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में गांव का उल्लेख किया था। पीएम ने गांव की फुटबॉल संस्कृति और यहां के खिलाड़ियों की सराहना की थी। इसके बाद विचारपुर अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया।प्रधानमंत्री के उल्लेख के बाद कई प्रशासनिक और खेल विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। गांव की पहचान एक फुटबॉल हब के रूप में बनी और यहां के खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर बढ़े। देशभर के मीडिया संस्थानों ने भी गांव की कहानी को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कुंडे बोलीं- फीफा से सीखने का अवसर

जर्मनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी सानिया कुंडे कहती हैं कि फीफा विश्व कप उनके जैसे खिलाड़ियों के लिए सीखने का सबसे बड़ा मंच है ।सानिया कहती हैं, हम लोग सभी मैच देखेंगे । जो खिलाड़ी हमारी पोजीशन पर खेलते हैं, उन्हें देखकर नई तकनीक सीखने को मिलती है । ऐसे कई शॉट्स और मूवमेंट देखने को मिलते हैं जिन्हें सीखने के लिए बहुत उच्च स्तरीय अभ्यास की जरूरत होती है । हम सब ब्राजील को सपोर्ट करेंगे । हमारी कोशिश है कि एक दिन भारत भी फीफा वर्ल्ड कप में खेले ।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में

आज चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

बर्मिंघम (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में क्रिकेट प्रेमियों को शुरुआत में ही बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान रविवार, 14 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर ग्रुप-1 के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

एजबेस्टन में दिखेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला – भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले हमेशा से रोमांच और दबाव से भरे रहे हैं। इन मैचों में आंकड़े और हालिया फॉर्म अक्सर पीछे छूट जाते हैं और खिलाड़ी मानसिक मजबूती की परीक्षा से गुजरते हैं। बर्मिंघम में बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई समुदाय के लोग रहते हैं, जिसके चलते एजबेस्टन में एक बार फिर शानदार माहौल देखने को मिलने की उम्मीद है। स्टेडियम में दोनों टीमों के समर्थकों की भारी मौजूदगी मुकाबले को और खास बना सकती है।

पहली ट्रॉफी की तलाश में भारत – हर्मनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस बार पहली बार महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। टीम के पास अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भारत की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही हैं। दोनों बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती हैं।

युवा जोश के साथ उतरेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान की कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। उनकी टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं जो बड़े मंच पर खुद को साबित करने के लिए बेताब हैं। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रहा है, लेकिन बड़े टूर्नामेंटों में अक्सर उलटफेर देखने को मिलते हैं। ऐसे में पाकिस्तान भी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगा।

भारत को माना जा रहा है प्रबल दावेदार

कागजों पर भारतीय टीम अधिक संतुलित और मजबूत नजर आती है । बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारत के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं । हालांकि पाकिस्तान को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी गलती साबित हो सकता है । फातिमा सना की टीम उलटफेर करने और जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने के इरादे से उतरेगी ।

शाम 7 बजे से मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला टी20 विश्व कप 2026 का मुकाबला 14 जून को भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा । मैच का आयोजन एजबेस्टन, बर्मिंघम में किया जाएगा । इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी ।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय शूटिंग टीम घोषित

● मनु भाकर और ईशा सिंह दोनों पिस्टल इवेंट्स में खेलेंगे, पिछले साल 22 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की राइफल और पिस्टल टीम घोषित कर दी है। इसमें 30 खिलाड़ी शामिल हैं। शॉटगन टीम पहले ही चुनी जा चुकी है।

जापान के आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगे। एशियाड के लिए जारी टीमें अगले महीने हांग्जो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और अक्टूबर में काहिरा (मिस्र) वर्ल्ड कप में भी खेलेंगी।

मनु और ईशा डबल इवेंट्स में खेलेंगी – एनआरएआई की लिस्ट के मुताबिक, पेरिस ओलिंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और 2022 एशियन गेम्स की स्टार ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। राइफल कैटेगरी में रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और विदर्शा के. विनोद भी दो-दो इवेंट्स में खेलेंगे। एनआरएआई ने बताया कि टीम का चयन हाल ही में हुए नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 4 के बाद नेशनल रैंकिंग और चयन नीति के आधार पर किया गया है।

फीफा वर्ल्ड कप- इंग्लैंड टीम का सामान चोरी

गाड़ी से ही फुटबॉल-जूते ले गए चोर, कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है।

स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में – कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

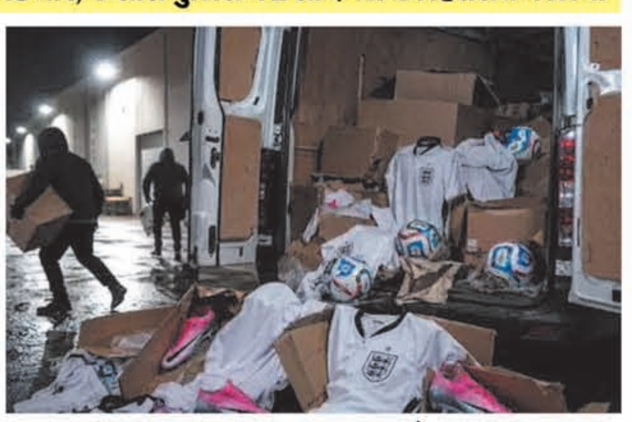

ग्रुप-एल में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच – वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-रु में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी।

9 खिलाड़ी करेंगे मेजर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू – थॉमस टचल के कोचिंग में इंग्लैंड की टीम एक नए लुक में नजर आ रही है। इस 26 सदस्यीय टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है। टीम के 9 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू कर सकते हैं। इन नए खिलाड़ियों में इलियट एंडरसन और मॉर्गन रोजर्स भी शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

मेजबान अमेरिका की धमाकेदार शुरुआत, पैराग्वे को 4-1 से हराया

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 4-1 से मात दी। कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में फ्लोरिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक ने अमेरिकी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बालोगुन और पुलिसिक ने बिखेरा जलवा – अमेरिका की ओर से फ्लोरिन बालोगुन ने दो गोल दागे, जबकि स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने पूरे मैच में पैराग्वे की रक्षापंक्ति को परेशान रखा। पुलिसिक ने कई आक्रामक मूव तैयार किए और टीम के आक्रमण की धुरी बने रहे।

सातवें मिनट में मिली बढ़त – मेजबान टीम ने मैच के सातवें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। पुलिसिक ने शानदार पास देकर वेस्टन मैकेनी को मौका बनाया, जिसके बाद पैराग्वे के खिलाड़ी डेमियन बोबाडिला से आत्मघाती गोल हो गया। इसके बाद 31वें मिनट में पुलिसिक के सटीक क्रॉस पर बालोगुन ने गोल दागकर अमेरिका की बढ़त 2-0 कर दी।

स्टॉपेज टाइम में बालोगुन ने किया कमाल – दूसरे हाफ में भी अमेरिका का दबदबा जारी रहा। मैच के 90+8वें मिनट में बालोगुन ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दाग दिया। इस गोल ने अमेरिका की जीत पर मुहर लगा दी।

पैराग्वे की वापसी की कोशिश नाकाम – पैराग्वे ने 73वें मिनट में मॉरिसियो मगाल्हाएस के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 किया, लेकिन टीम इसके बाद कोई बड़ा दबाव नहीं बना सकी। अमेरिकी खिलाड़ियों ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और विपक्षी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया।

सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया। इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में के लिए भारतीय टीम का ऐलान, पीवी सिंधु करेंगी अगुवाई

अगस्त में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 10 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए ग्लोबल फेडरेशन ने क्वालिफिकेशन सूची में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारत

की ओर से पांच स्पर्धाओं में कुल 10 लोगों को जगह मिली हैं, जिनमें पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी देश के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले दावेदार के तौर पर शामिल हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के क्वालिफिकेशन नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की। 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित इस क्वालिफिकेशन सूची में पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और हर युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में हर कैटेगरी में भारत के दो खिलाड़ी सीधे एंट्री करेंगे।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी ने क्वालिफाई किया है, जबकि महिला सिंगल्स में सिंधु के साथ उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा शामिल हैं। भारत की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली एंट्री पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की है, जिन्होंने कुल मिलाकर चौथी रैंकिंग के साथ क्वालिफाई किया। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने भारत के लिए पुरुष डबल्स में दूसरी जगह पक्की की।

क्वालिफाई करने वाली जोड़ियों में 30वें स्थान पर मौजूद ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी के साथ महिला डबल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान पर क्वालिफाई किया, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के लिए दूसरी जगह हासिल की। कई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रिजर्व लिस्ट में भी शामिल हैं, जिनमें पुरुष एकल में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, और महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर शामिल हैं।

बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। चीन के पुरुष एकल चैंपियन शी यू की, दक्षिण कोरिया के पुरुष युगल विजेता किम वॉन हो और सियो सेउंग जे, और चीन की महिला युगल चैंपियन लियू शेंग शू और टैन निंग - ये सभी अपने-अपने इवेंट्स में टॉप-रैंक वाले खिलाड़ियों के तौर पर क्वालिफाई हुए। जापान की अकाने यामागुची, जो मौजूदा विमेंस सिंगल्स चैंपियन हैं, तीसरे नंबर पर क्वालिफाई हुईं, जबकि मलेशिया के मौजूदा मिश्रित युगल चैंपियन चेन तांग जी और तोह ई वेई चौथे नंबर पर क्वालिफाई हुए।

बार-बार डकार आ रही है तो ये घरेलू उपाय आएंगे काम

पेट में बनी गैस डकार के जरिए शरीर से बाहर निकलती है। डकार से बदबू आ भी सकती है और नहीं भी। डकार के जरिए शरीर पेट में जमा अत्यधिक गैस को बाहर निकालता है। वैसे तो डकार का कोई नुकसान नहीं होता है, लेकिन अगर बार-बार डकार आए तो ये आपके लिए शर्मिंदगी की वजह बन सकता है। अगर आप भी उन लोगों में से एक हैं, जिन्हें बार-बार डकार आने की प्रॉब्लम है तो कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

डकार बंद करने का घरेलू नुस्खा है पुदीना : पुदीने में मासंपेशियों को आराम देने वाले गुण होते हैं, जो पाचन मार्ग को राहत देता है और पेट में बनने वाली गैस को कम करता है। ये पित्त के प्रवाह में सुधार लाता है और पाचन को बेहतर करता है, जिससे डकार कम आती है। एक चम्मच पुदीने की सूखी पत्तियां लें और उसे एक कप गर्म पानी में डालें। इसे 10 मिनट उबालें और फिर छानकर दिन में दो से तीन बार पिएं।

ज्यादा डकार आने का इलाज है अदरक : डकार पैदा करने वाली गैस से संबंधित समस्याओं का असरकारी रूप से इलाज करने में अदरक बहुत फायदेमंद है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लामेट्री और दर्द-निवारक गुण होते हैं। ताजे अदरक का एक छोटा-सा टुकड़ा लेकर चबाएं।

ज्यादा डकार आने का घरेलू उपाय है पपीता : पपीते में ऐसा एंजाइम होता है, जो बैक्टीरिया बढ़ने से रोकता है और पाचन में सुधार लाता है। पपीता डकार और सीने में जलन का असरकारी घरेलू उपचार है। आप पका पपीता रोज खाएं या इसकी स्मूदी बनाकर पिएं।

बार बार डकार आने का इलाज है केला : केले में फाइबर उच्च मात्रा में होता है, जिससे पाचन में सुधार आता है और डकार कम आती है। अगर आपका बार-बार डकार आ रही है तो केला खा लें, लेकिन एक दिन में एक से ज्यादा केला न खाएं।

डकार रोकने का तरीका है सौंफ : खट्टी डकार को सौंफ से ठीक किया जा सकता है। पेट दर्द के साथ-साथ खट्टी डकारें आ रही हैं तो एक या आधा चम्मच सौंफ चबा लें। आप गुनगुने पानी में भी इसे मिलाकर पी सकते हैं।

डकार आने का उपाय है हींग : हींग डकार पैदा करने वाली गैस से राहत पाने में मदद करती है। एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हींग, अदरक पाउडर और नमक डालकर मिक्स करें। अब इस पानी को पी लें।

बार बार डकार आने की दवा है इलायची : इलायची पाचक रस का अधिक उत्पादन करने में मदद करती है और गैस बनने से रोकती है। एक इलायची मुंह में चबाएं, आप चाहें को पानी में दो तीन इलायची कूटकर डालने के बाद उबालें और यह पानी छानकर पी लें।

डकार रोकने का उपाय है दही : दही पाचन में मदद करता है और गट बैक्टीरिया को संतुलित कर गैस बनने से रोकता है। यहां तक कि इससे हर प्रकार के पाचन विकार को ठीक करने में मदद मिल सकती है। दही में एक चुटकी नमक मिलाकर खाएं या छाछ पीना भी फायदेमंद रहता है। खाना खाने के बाद छाछ पिएं।

उपरोक्त घरेलू नुस्खों की मदद से आप बार-बार डकार आने की परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

एंडोक्राइन बीमारी से पीड़ित लोगों का इस तरह रखें विशेष ध्यान

कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। यह उन लोगों के लिए ज्यादा तनाव और जोखिम का कारण बन गयी है, जो कि पहले से ही किसी बीमारी से पीड़ित हैं। इन लोगों में ऐसे रोगी भी आते हैं, जो कि एंडोक्राइन रोग से जूझ रहे हैं। यहां यह जानना जरूरी है कि एंडोक्राइन बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अगर कोविड-19 की चपेट में आता है तो कितना जोखिम होता है। एम्स के डॉ. उमर अफरोज का कहना है कि शरीर की एंडोक्राइन प्रणाली उन कोशिकाओं से बनी होती है, जो हार्मोन्स पैदा करती है। हार्मोन वे रसायनिक पदार्थ हैं जो खून के जरिए शरीर के आंतरिक अंगों और कोशिकाओं तक पहुंचते हैं। इन आंतरिक अंगों और कोशिकाओं पर हार्मोन्स का विशेष प्रभाव होता है। अपने हार्मोन के स्तर बहुत अधिक या बहुत कम कर रहे हैं, तो हार्मोन डिसऑर्डर हो सकता है।

यदि मधुमेह है : एंडोक्राइन की सबसे आम रोग मधुमेह के शिकार हैं और इस वायरस की चपेट में आ गए हैं तो गंभीर जटिलताएं पैदा होने का ज्यादा जोखिम है। वायरस के प्रतिकूल प्रभाव टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज में कोई भेदभाव नहीं करता है। इसके अतिरिक्त यदि अनियंत्रित डाटबिटीज या हृदय रोग भी है तो स्थिति और भी गंभीर है। चीन में देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति जो कोविड-19 से संक्रमित थे और जिन्हें मधुमेह था, उनकी सामान्य आबादी की तुलना में गंभीर जटिलताएं और मृत्यु की उच्च दर थी। द चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, वायरस से संक्रमित मधुमेह वाले रोगियों में 7.3 प्रतिशत की घातक स्थिति दर्ज की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, पूरी दुनिया में करीब 400 मिलियन से ज्यादा लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। संगठन द्वारा जारी गाइडलाइंस में ऐसे लोगों को भीड़ में जाने से बचने को कहा है, क्योंकि ऐसे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है और आसानी से संक्रमित हो सकते हैं। डॉक्टरों द्वारा यह सुझाया गया है कि डायबिटीज के मरीजों को समय-समय पर अपना ब्लड शुगर लेवल चेक करते रहना चाहिए।

एड्रिनल इंसफिशिएंसी : डॉ. आयुष शर्मा का कहना है कि जब शरीर में एड्रिनल ग्रंथियों द्वारा बनाए जाने वाले कुछ विशेष हार्मोन का अपर्याप्त मात्रा में उत्पादन होता है तो यह विकार होता है। इस रोग में एड्रिनल ग्रंथि बहुत कम मात्रा में कोर्टिसोल बना पाती है। अक्सर एड्रिनल ग्रंथि एल्डोस्टेरोन को अपर्याप्त मात्रा में उत्पादन करती है। एड्रिनल ग्रंथि गुर्दे की चोटी पर स्थित होती है। कोरोना वायरस के समय अपने स्टेरॉयड बंद न करें, जब तक डॉक्टर सलाह न दें। इस दौरान सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने स्टेरॉयड को अचानक बंद न करें। यह न केवल एड्रिनल इंसफिशिएंसी वाले लोगों के लिए है, बल्कि किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो गंभीर स्थितियों के लिए लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहे हैं।

हालांकि, कुछ यह मान सकते हैं कि स्टेरॉयड दवाएं इम्यून सिस्टम से समझौता कर सकती हैं, शरीर में स्टेरॉयड की सही मात्रा होना सामान्य शारीरिक कार्यों के लिए जरूरी है और संक्रमण से निपटने के दौरान जीवन रक्षक साबित हो सकती हैं।

थायराइड के शिकार : आज तक थायरॉइड रोग के रोगियों के वायरस के चपेट में आने के परिणामों की जांच करने के लिए कोई अध्ययन नहीं किया गया है। हालांकि, हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म जैसे थायराइड रोगों वाले रोगियों को डॉक्टर के साथ पहले परामर्श के बिना अपनी दवाएं लेना बंद नहीं करना चाहिए। ब्रिटिश थायराइड एसोसिएशन के पास ऐसे कई लोगों के सवाल आए जो कि थायराइड से ग्रसित हैं। एसोसिएशन ने बताया कि चूंकि कोविड-19 नया वायरस है तो यह जानकारी नहीं है कि थायराइड रोग के साथ व्यक्ति को कैसे प्रभावित करता है। हालांकि, थायराइड रोग को सामान्य रूप से वायरल संक्रमण के बढ़ते जोखिम से जुड़ा नहीं जाना जाता है, न ही थायराइड रोग और वायरल संक्रमण की गंभीरता के बीच संबंध है। यह भी बताया कि इम्यून सिस्टम का हिस्सा जो ऑटोइम्यून थायरॉयड स्थितियों के लिए जिम्मेदार है, वह कोविड-19 जैसे वायरल संक्रमण से लड़ने के लिए जिम्मेदार इम्यून सिस्टम के लिए अलग है।

रेसिपी

मैंगो राइस

सामग्री

■ **कच्ची मूंगफली:** 4 चम्मच ■ **करी पत्ता:** 10 ■ **बासमती चावल:** 150 ग्राम ■ **हल्दी पाउडर:** 1/2 चम्मच ■ **सरसों के दाने:** 2.5 चम्मच ■ **लाल मिर्च:** 6 ■ **कच्चा आम (कद्दूकस):** 1.5 कप ■ **नारियल (कद्दूकस) :** 4 चम्मच ■ **हींग :** 1/2 चम्मच ■ **चना दाल (पानी में भिगोई हुई):** 1 चम्मच ■ **लाल मिर्च (टुकड़े में):** 1 ■ **तेल:** 3 चम्मच

विधि

चावल को पकाएं और एक ओर ठंडा होने के लिए रख दें। डेढ़ चम्मच सरसों, हींग पाउडर, लाल मिर्च, हल्दी पाउडर और कद्दूकस किए हुए नारियल को मिक्सी में डालकर पीसें और मसाला तैयार करें। कद्दूकस किए हुए आम का भी बारीक पेस्ट तैयार कर लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। उसमें सरसों के दाने, चना दाल, लाल मिर्च और करी पत्ता डालें। जब सरसों पक जाए तो उसमें मूंगफली डालें। जब दाल का रंग गोल्डन हो जाए तो उसमें आम का पेस्ट भी डालें और कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाएं। अब मसाले को कड़ाही में डालें और अच्छी तरह से पकाएं। गैस ऑफ कर दें। जब चावल पूरी तरह से ठंडा हो जाए तो उसमें स्वादानुसार नमक मिलाएं। थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कड़ाही में चावल मिलाएं। जब पूरा चावल और मसाला अच्छी तरह से मिल जाए तो सर्व करें।

चावल से बनी जलेबी

सामग्री

■ **बचे हुए चावल :** 1 कप ■ **मैदा :** 5 चम्मच ■ **दही:** 3 चम्मच ■ **आधा कप चीनी** ■ **पानी :** 1/4 कप ■ **बेकिंग पाउडर** :1/4 चम्मच ■ **थोड़ा सा फूड कलर** ■ **जलेबी को शेप देने के लिए एक छेद किया हुआ कपड़ा या कोई पाइपिंग बॉटल**

विधि

जलेबी बनाने के लिए सबसे पहले ब्लेंडर में उबले हुए चावल का पेस्ट बना लें। इसके बाद इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर के साथ 3 चम्मच दही डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद आप इसमें ऑरेंज फूड कलर मिला लें। जलेबी का बैटर बनाते समय ध्यान रखें कि इसमें किसी भी तरह के कोई लंप्स नहीं रहने चाहिए। बैटर की कंसिस्टेंसी इडली के बैटर जैसी ही रखें। इस बैटर को थोड़ी देर ऐसे ही रखें। थोड़ी देर बाद इस बैटर को किसी पाइपिंग बैग या छेद किए कपड़े में भरकर तेल में फ्राई करें। फ्राई की हुई जलेबियों को शक्कर की चाशनी में डाल दें। आपकी कुरकुरी जलेबी बनकर तैयार हो चुकी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3917

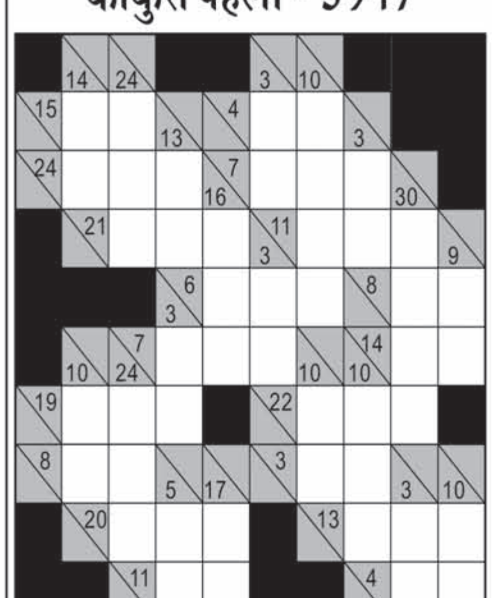

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

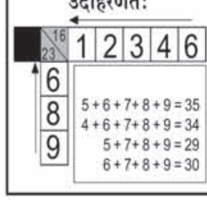

काकुरो - 3916 का हल

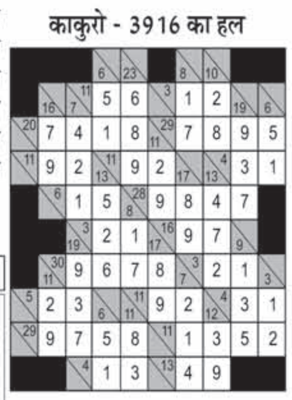

हंसी के फूव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला- जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली- 3917

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3916

सूडोकु -3917

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3916 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3917

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -3916 का हल

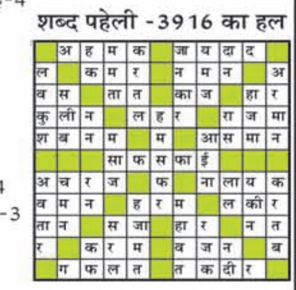

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी